Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 152
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
गुरूवार,01 जनवरी 2026

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 नववर्ष में होगा योगी कैबिनेट के विस्तार

4 सिर्फ फसलों का नहीं, नस्लें बचाने का मसला

5 दूसरे बेटे की एआई तस्वीरें वायरल होने पर भड़कीं कॉमेडियन भारती

आस्था-परंपराओं का दिव्य उत्सव

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ पर पीएम ने दीं शुभकामनाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या स्थित राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ पर बुधवार को लोगों को बधाई दी और इस दिन को हमारी आस्था और परंपराओं का एक दिव्य उत्सव बताया। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, अयोध्या जी की पावन धरा पर आज रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की द्वितीय वर्षगांठ मनाई जा रही है। यह वर्षगांठ हमारी आस्था और संस्कारों का एक दिव्य उत्सव है। प्रधानमंत्री ने 22 जनवरी, 2024 को हिंदू पंचांग के पौष मास के शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि को प्राण प्रतिष्ठा संबंधी अनुष्ठान किए थे। इस वर्ष पौष माह की द्वादशी 31 दिसंबर को है। मोदी ने कहा, इस पावन-पुनीत अवसर पर देश-विदेश के सभी रामभक्तों की ओर से प्रभु श्री राम के चरणों में मेरा कोटि-कोटि नमन और वंदन! समस्त देशवासियों को मेरी अनंत शुभकामनाएं। उन्होंने कहा, भगवान श्री राम की असीम कृपा और आशीर्वाद से असंख्य रामभक्तों का पांच सदियों का संकल्प साकार हुआ है। आज रामलला अपने भव्य धाम में पुनरू विराजित हैं और इस वर्ष अयोध्या की धर्म ध्वजा, रामलला की प्रतिष्ठा द्वादशी की साक्षी बन रही है। यह मेरा सौभाग्य है कि पिछले महीने मुझे इस ध्वजा की पुण्य स्थापना का सुअवसर मिला।मोदी ने कहा, मेरी कामना है कि मयार्दा पुरुषोत्तम की प्रेरणा हर देशवासी के हृदय में सेवा, समर्पण एवं करुणा की भावना को और प्रगाढ़ करे तथा यह समृद्ध एवं आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का सशक्त आधार भी बने। जय सियाराम!

प्रदेश को मिले 215 उपनिरीक्षक, सीएम धामी ने दिए नियुक्ति पत्र

कहा-असली परीक्षा अब शुरू हुई

देहरादून (एजेंसी)।। सीएम धामी ने कहा कि नवनियुक्त उप निरीक्षकों से कहा कि अब तक की उनकी परीक्षा केवल शुरूआत थी, असली परीक्षा अब शुरू हो रही है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बुधवार को मुख्य सेवक सदन में 215 उपनिरीक्षकों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। जिसमें 104 उप-निरीक्षक, 88 गुल्मनायक (पी.ए.सी) और 23 अग्निशमन द्वितीय अधिकारी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था, जनसुरक्षा तथा आपदा प्रबंधन प्रणाली को और अधिक सशक्त बनाने में पुलिस की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। उन्होंने नवनियुक्त उप निरीक्षकों से कहा कि अब तक की उनकी परीक्षा केवल शुरूआत थी, असली परीक्षा अब शुरू हो रही है। उन्हें अब प्रदेश की सुरक्षा, कानून व्यवस्था, आपदा प्रबंधन एवं अग्निशमन जैसे महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन पूरी निष्ठा, अनुशासन और समर्पण के साथ करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड दो अंतरराष्ट्रीय एवं दो आंतरिक सीमाओं से लगा राज्य है। राज्य में शांति एवं सुव्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ नशा, साइबर क्राइम, महिला अपराध, यातायात, आपदा प्रबंधन, चारधाम एवं कांवड़ यात्रा जैसे अनेक मोर्चों पर पुलिस की प्रभावी भूमिका होती है। कहा कि राज्य सरकार ने भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए देश का सबसे सख्त नकल विरोधी कानून लागू किया है।

बिहार: वरिष्ठ कांग्रेस नेता राम उद्गार चौधरी का निधन

समस्तीपुर (एजेंसी)। बिहार के समस्तीपुर जिला सहकारिता बैंक के पूर्व अध्यक्ष और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता राम उद्गार चौधरी का मंगलवार की रात शहर के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वे करीब 101 वर्ष के थे। उनके निधन से समूचे समस्तीपुर जिले में शोक की लहर दौड़ गई है।बिहार में सहकारिता आंदोलन के जनक के रूप में चर्चित राम उद्गार चौधरी ने स्वतंत्रता आंदोलन में भी सक्रिय भूमिका निभाई थी। उनके निधन के बाद आज उजियारपुर प्रखंड के पतैली धमुआ स्थित पैतृक गांव में विभिन्न राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों के लोगों ने उनके पार्थिव शरीर पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।इस अवसर पर बिहार कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव रामकलेवर प्रसाद सिंह, कांग्रेस सेवादल के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार चौधरी और जिला कांग्रेस कमिटी अध्यक्ष मो. अबू तमीम समेत कई नेताओं ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की।

भारत 2026 कैलेंडर लॉन्च, सेवा, सुशासन और समृद्धि टैग लाइन के साथ केंद्र सरकार ने किया जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने बुधवार को सेवा, सुशासन और समृद्धि टैग लाइन के साथ 2026 के लिए अपना आधिकारिक कैलेंडर जारी किया। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और संसदीय कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री डॉ. एल. मुरुगन ने यहां मीडिया सेंटर में विकसित भारत 2047 की दिशा में देश की प्रगति, समावेशी विकास और आर्थिक मजबूती को दशातें इस कैलेंडर को जारी किया। केंद्र सरकार के नये कैलेंडर में क्यूआर कोड हैं जो सरकार की हर महीने की नीतियों और पहलों के बारे में जानकारी देता है। इस कैलेंडर को हिंदी और अंग्रेजी सहित 13 भारतीय भाषाओं में प्रकाशित किया गया है। इसका लक्ष्य ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुँचकर जनभागीदारी को बढ़ावा देना है। डॉ. मुरुगन ने ठींतंज/2026 नाम से सरकार के आधाकिरिक कैलेंडर को जारी करते हुए कहा, कहा, साल 2025 के दौरान सरकार ने कई बड़े सुधार किए जो विकसित भारत 2047 की ओर हमारी राष्ट्रीय यात्रा के एक महत्वपूर्ण अध्याय हैं।

खाटू श्याम के दर्शन कर लौट रहे थे श्रद्धालु, कार ट्रक से टकराई 1 की मौत

बाराबंकी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में बाराबंकी जिले के रामनगर क्षेत्र में मंगलवार और बुधवार की रात करीब एक बजे बहराइच हाईवे पर मनकापुर, गोण्डा से खाटू श्याम दर्शन जा रही अर्टिगा कार गन्ना लदे ट्रक से टकरा गई जिसमें एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई जबकि छह गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार थाना रामनगर अंतर्गत बाराबंकी बहराइच हाईवे पर दलसरांय गांव के पास रात करीब 1.00 बजे हुए सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि छह घायल हैं। मनकापुर गोंडा निवासी सभी लोग खाटू श्याम दर्शन के जा रहे थे। तभी कार आगे चल रही गन्ना लदी ट्रक में घुसी गई। सभी घायलों को रामनगर सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। हादसे में यश दुबे (17) निवासी मनकापुर गोंडा, प्रिंस (29) निवासी गुड्डमल चौराहा पटेल नगर गोंडा, जितेंद्र कुमार (26) निवासी भेलसरगंज थाना वजीरगंज मनकापुर गोंडा, लवकुश गुप्ता (27) निवासी मनकापुर गोंडा, सौरभ दुबे (27) व शिवम (30) निवासी बलेसरगंज थाना वजीरगंज घायल हालत में पहुंचे, जिसमें शिवम को मृत घोषित कर दिया गया।

अयोध्या में बोले सीएम योगी

पूर्व सरकारों ने रामनगरी को किया लहूलुहान, लेकिन सनातन से ऊपर कोई नहीं,

अयोध्या (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को राम जन्मभूमि मंदिर और राम लल्ला प्राण प्रतिष्ठा के निर्माण के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना की, वहीं विपक्ष पर कटाक्ष करते हुए तुष्टीकरण की राजनीति का आरोप लगाया। प्रतिष्ठा द्वादशी और राम लला प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों ने अयोध्या को अशांति और संघर्ष की भूमि बना दिया है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारत में अयोध्या ने राम जन्मभूमि आंदोलन के कई चरण देखे हैं। अयोध्या का नाम ही बताता है कि यहां कोई युद्ध नहीं लड़ा गया, जिसका अर्थ है कि कोई भी शत्रु इसके साहस के सामने टिक नहीं सका। लेकिन कुछ लोगों ने लालच, धार्मिक

कट्टरता और तुष्टीकरण की नीति से प्रेरित होकर अयोध्या को अशांति और संघर्ष का स्थान बना दिया है। उन्होंने मंदिर की नींव रखने के समारोह, प्राण प्रतिष्ठा और ध्वजारोहण को याद करते हुए कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अयोध्या तीन क्षणों को कभी नहीं भूल सकती। 5 अगस्त, 2020, जब भारत के प्रधानमंत्री पहली बार अयोध्या पहुंचे और राम जन्मभूमि मंदिर की नींव रखी। 22 जनवरी, 2024 को प्रधानमंत्री ने राम लल्ला की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा पूरी की। तीसरा क्षण 25 नवंबर को था, जब प्रधानमंत्री ने मंदिर के शीर्ष पर भगवा ध्वज फहराया। नवंबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत ने अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के 191 फुट ऊंचे शिखर पर भगवा ध्वजारोहण किया, जो मंदिर के निर्माण के पूरा होने का प्रतीक था। इस बीच, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम जन्मभूमि आंदोलन में उनके योगदान के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को भी धन्यवाद दिया, जो उस अवसर पर उपस्थित थे।

डीआरडीओ ने हासिल की बड़ी उपलब्धि, प्रलय मिसाइल का सफल लॉन्च

एक ही लॉन्चर से दागीं दो मिसाइलें

नई दिल्ली (एजेंसी)। डीआरडीओ ने बुधवार को ओडिशा तट के पास एक ही लॉन्चर से प्रलय मिसाइल का सफल सैल्वो लॉन्च किया। यह परीक्षण यूजर इवैल्यूएशन ट्रायल्स के तहत हुआ, जिसमें दोनों मिसाइलों ने सभी लक्ष्य पूरे किए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इसे बड़ी उपलब्धि बताया। भारत की रक्षा क्षमता को नई मजबूती देते हुए रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन यानी डीआरडीओ ने प्रलय मिसाइल का सफल सैल्वो लॉन्च किया है। यह परीक्षण देश की स्वदेशी मिसाइल तकनीक और त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता का बड़ा प्रदर्शन माना जा रहा है। एक ही लॉन्चर से कम समय के अंतराल में दो मिसाइलों का सफल प्रक्षेपण अपने आप में अहम उपलब्धि

है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, बुधवार की सुबह करीब 10:30 बजे ओडिशा तट के पास एक ही लॉन्चर से दो प्रलय मिसाइल दागी गईं। यह उड़ान परीक्षण यूजर इवैल्यूएशन ट्रायल्स के तहत किया गया। दोनों मिसाइलों ने तय की गई दिशा का पूरी तरह पालन किया और सभी उड़ान उद्देश्यों को सफलतापूर्वक हासिल किया। ट्रैकिंग और टेलीमेट्री से पुष्टि इस परीक्षण के दौरान मिसाइलों की उड़ान पर कड़ी नजर रखी गई। चांदीपुर स्थित एकीकृत परीक्षण रेंज द्वारा तैनात ट्रैकिंग सेंसरों ने पूरे ट्रैजेक्टरी की पुष्टि की। वहीं, लक्ष्य क्षेत्र के पास तैनात जहाजों पर लगे टेलीमेट्री सिस्टम के जरिए अंतिम चरण की घटनाओं को भी सफलतापूर्वक रिकॉर्ड किया गया। प्रलय मिसाइल की खासियत प्रलय एक स्वदेशी ठोस ईंधन से चलने वाली क्वासी-बैलिस्टिक मिसाइल है। इसमें अत्याधुनिक गाइडेंस और नेविगेशन सिस्टम लगाए गए हैं, जिससे यह बेहद सटीक निशाना लगाने में सक्षम है। यह मिसाइल अलग-अलग तरह के वारहेड ले जाने में सक्षम है और विभिन्न लक्ष्यों को भेद सकती है, जिससे इसकी उपयोगिता और प्रभावशीलता बढ़ जाती है।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ पर अयोध्या पहुंचे राजनाथ

बोले-हमारी विरासत सबसे ज्यादा समृद्ध

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या धाम में श्रीराम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर आज मंदिर परिसर में विशेष धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया जा रहा है। इस पावन अवसर पर आस्था और श्रद्धा का अद्भुत दृश्य देखने को मिल रहा है। कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विशेष रूप से शामिल हुए हैं। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार अपराह्न 3रू20 बजे तक श्रीराम मंदिर परिसर में उपस्थित रहेंगे। इस दौरान उन्होंने विशेष धार्मिक अनुष्ठानों में सहभागिता की और विधिवत श्रीरामलला के दर्शन-पूजन किए। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच संपन्न हो रहे इन अनुष्ठानों में देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की गई। गौरतलब है कि पौष शुक्ल द्वादशी के दिन वर्ष 2024 में श्रीरामलला की प्रतिमा का भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह संपन्न हुआ था। उसी ऐतिहासिक दिन की दूसरी वर्षगांठ के अवसर पर आज

अयोध्या में विभिन्न धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। प्राण प्रतिष्ठा की दूसरी वर्षगांठ पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मां अन्नपूर्णा मंदिर के शिखर पर विधिवत ध्वजारोहण भी किया। इस दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति रही और जय श्रीराम के उद्घोष गूंजते रहे। कार्यक्रम के अंतर्गत राम मंदिर के निकास द्वार स्थित अंगद टीला पर केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनता को संबोधित कर रहे हैं।

अमित शाह का कोलकाता दौरा समाप्त, भाजपा विधायकों और सांसदों संग की बैठक

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को पश्चिम बंगाल के कोलकाता में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायकों और सांसदों की बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में भाजपा विधायकों और राज्य के सांसदों सहित पार्टी के वरिष्ठ नेता शामिल हुए। पार्टी सूत्रों के अनुसार, चर्चा का केंद्र संगठनात्मक मामले और पश्चिम बंगाल की राजनीतिक स्थिति थी। अमित शाह भाजपा के संगठनात्मक विस्तार के तहत राज्य के दौरे पर हैं और पार्टी नेताओं के साथ कई बैठकें कर रहे

हैं इस बीच, 2026 के विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में राजनीतिक खींचतान तेज होने के साथ ही, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने मंगलवार को एक-दूसरे पर तीखे हमले किए। भाजपा के चुनाव अभियान की शुरूआत के लिए पश्चिम बंगाल के तीन दिवसीय दौरे पर आए शाह ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली टीएमसी सरकार पर तीखा हमला करते हुए कहा कि पिछले 14 वर्षों से ₹डर और भ्रष्टाचार₹ राज्य की पहचान बन गए हैं। उन्होंने राज्य में अवैध प्रवासियों की कथित घुसपैठ पर ममता बनर्जी के रुख पर सवाल उठाया।

मध्यप्रदेश: दो महानगरों में 27 लोगों की मौतों से दहला प्रदेश, माकपा ने भाजपा सरकार को ठहराया जिम्मेदार

भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के दो महानगरों में हुई 27 मौतों को लेकर मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने भाजपा सरकार को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया है। माकपा ने कहा है कि सरकार और मंत्री चाहे जितनी भी सफाई दें, लेकिन इस गंभीर लापरवाही की जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। माकपा के राज्य सचिव जसविंदर सिंह ने जारी बयान में कहा कि पिछले सात वर्षों से आंकड़ों की बाजीगरी के जरिए सफाई में नंबर एक का दावा करने वाली इंदौर नगर निगम की हकीकत जहरीला पानी पीने से हुई आठ मौतों से सामने आ गई है। वहीं

प्रदेश की संस्कारधानी कहे जाने वाले जबलपुर में जहरीली शराब से 19 लोगों की मौत का दिल दहला देने वाला मामला उजागर हुआ है।उन्होंने कहा कि इंदौर में जहरीले पानी से आठ लोगों की मौत, 111 लोगों का अस्पताल में भर्ती होना और 1146 लोगों का उपचार के लिए मजबूर होना यह साबित करता है कि यह कोई सामान्य चूक नहीं है, बल्कि लंबे समय से जहरीले पानी की सप्लाई हो रही होगी। वहीं जबलपुर में कच्ची शराब का कारोबार पुलिस संरक्षण और राजनेताओं के आशीर्वाद के बिना संभव नहीं है। ग्वालियर में भी रेलवे स्टेशन पर पुलिस चौकी से कुछ ही कदम की दूरी पर नशे का धंधा पुलिस संरक्षण में चल रहा है।

भाजपा पर कांग्रेस ने लगाए गंभीर आरोप, कहा, ऑपरेशन सिंदूर पर मध्यस्थता के चीन के दावे पर जवाब दें पीएम

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बाद अब चीन दावा कर रहा है कि भारत और पाकिस्तान के बीच इस साल हुए सैन्य कार्रवाई में उसकी मध्यस्थता से अचानक ऑपरेशन सिन्दूर रोका गया था। पार्टी ने इसे भारत के साथ मजाक करार दिया और कहा कि सैन्य कार्रवाई रोकने को लेकर सरकार ने जो कुछ बताया ये दावे उसके विपरीत है और इस तरह के दावे देश की सुरक्षा पर गंभीर सवाल उठाते हैं इसलिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इसका जवाब देना चाहिए। कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने बुधवार को चीन के दावों को

चिंताजनक बताते हुए कहा कि राष्ट्रपति ट्रम्प पहले ही बार-बार दावे कर रहे हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान पर आयात शुल्क का डर दिखाकर कर दोनों देशों (भारत-पाकिस्तान) के बीच संघर्ष को रुकवाया था और अब चीन भी दावा कर रहा है और इस पर श्री मोदी की चुप्पी बेहद परेशान करने वाली है। जयराम रमेश ने कहा कि डोनाल्ड ट्रम्प लंबे समय से दावा करते रहे हैं कि उन्होंने 10 मई को ऑपरेशन सिन्दूर रोकने के लिए व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप किया था। वह यह दावा कम से कम सात अलग-अलग देशों में, विभिन्न मंचों पर 65 बार कर चुके हैं। श्री मोदी ने इन दावों पर कभी भी अपनी चुप्पी नहीं तोड़ी और अब चीन के विदेश मंत्री भी ऐसा ही दावा कर रहे हैं कि उसकी मध्यस्थता के कारण यह संघर्ष रोका गया था। कांग्रेस नेता ने कहा कि इस बारे में चार जुलाई को उप सेनाध्यक्ष लेफ्टिनेंट जनरल राहुल सिंह ने सार्वजनिक रूप से कहा, ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान भारत असल में चीन का सामना कर रहा था और उससे लड़ रहा था। चूंकि चीन निर्णायक रूप से पाकिस्तान के साथ खड़ा था, ऐसे में भारत और पाकिस्तान के बीच मध्यस्थता करने के चीन के दावे चिंताजनक हैं और यह सिर्फ इसलिए नहीं कि वे देश की जनता को दी गई जानकारी के उलट हैं।

सेवानिवृत्त प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी एवं प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त/रेलवे सुरक्षा बल के साथ अपर महाप्रबन्धक वी.के.शुक्ल एवं प्रमुख विभागाध्यक्ष

गोरखपुर: अपर महाप्रबन्धक श्री वी.के.शुक्ल ने 31 दिसम्बर, 2025 को सेवानिवृत्त हो रहे प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी श्री मुकेश मेहरोत्रा एवं प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त/रेलवे सुरक्षा बल श्री तारिक अहमद को महाप्रबन्धक सभाकक्ष में आयोजित समारोह में समापक राशि का प्रपत्र, सेवा प्रमाण पत्र एवं गोल्ड प्लेटेड मेडल तथा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर उन्होंने सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारियों के स्वस्थ एवं सुखमय जीवन की कामना की। प्रमुख मुख्य कार्मिक अधिकारी श्री मनोज कुमार ने अपने कक्ष में 31 दिसम्बर, 2025 को सेवानिवृत्त हो रहे प्रोडक्शन इंजीनियर/सिगनल कारखाना/गोरखपुर श्री संजय कुमार श्रीवास्तव को समापक राशि का प्रपत्र, गोल्ड प्लेटेड मेडल एवं सेवा प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। मुख्य कार्मिक अधिकारी/प्रशासन श्री मनोज कुमार ने कार्मिक विभाग के सभा कक्ष में 31 दिसम्बर, 2025 को आयोजित एक समारोह में 31 दिसम्बर, 2025 को सेवानिवृत्त हो रहे 17 अराजपत्रित रेलकर्मियों को गोल्ड प्लेटेड मेडल, समापक राशि का प्रपत्र एवं सेवा प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सेवा निवृत्त रेल कर्मियों को सम्बोधित करते हुए मुख्य कार्मिक अधिकारी/प्रशासन श्री मनोज कुमार ने कहा कि आप सभी ने अपने जीवन का एक लम्बा समय रेलवे को दिया है। आपके अनुभव से हम आगे भी लाभ उठाते रहेंगे। इस अवसर पर कार्मिक एवं लेखा विभाग के अधिकारी, यूनियन के पदाधिकारी तथा सेवानिवृत्त होने वाले रेल कर्मियों के परिजन उपस्थित थे। लेखा विभाग में आयोजित एक अन्य समारोह में 31 दिसम्बर, 2025 को सेवानिवृत्त हो रहे 05 अराजपत्रित कर्मचारियों को वित्त सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी श्री रोहित राज गुप्ता ने गोल्ड प्लेटेड मेडल, समापक राशि का प्रपत्र एवं सेवा प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया तथा उनके सुखमय जीवन की कामना की।

मंत्रिमंडल ने ओडिशा में एनएच-326 के 68,600 किलोमीटर से 311,700 किलोमीटर तक मौजूदा 2-लेन सड़क को पक्की शोल्डर सहित 2-लेन सड़क में बदलने के लिए 1526.21 करोड़ रुपये की लागत से ईपीसी मोड पर चौड़ीकरण और सुदृढ़ीकरण को मंजूरी दी

गोरखपुर: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने आज ओडिशा राज्य में एनएच-326 के 68,600 किलोमीटर से 311,700 किलोमीटर तक मौजूदा 2-लेन को पेव्ड शोल्डर (सड़क के किनारे बनी पक्की, समतल पट्टी) सहित 2-लेन में बदलने और मजबूत करने को एनएच(ओ) के तहत ईपीसी मोड (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट और कंस्ट्रक्शन परियोजना वितरण पद्धति) की मंजूरी दी। वित्तीय निहितार्थ : इस परियोजना की कुल पूंजी लागत 1,526.21 करोड़ रुपये है। इसमें 966.79 करोड़ रुपये की सिविल निर्माण लागत शामिल है। फायदे : एनएच-326 के उन्नयन से यात्रा तेज, सुरक्षित और अधिक विश्वसनीय हो जाएगी। इससे दक्षिणी ओडिशा का समग्र विकास होगा, विशेष रूप से गजपति, रायगड़ा और कोरापुट जिलों को लाभ मिलेगा। बेहतर सड़क संपर्क से स्थानीय समुदायों, उद्योगों, शैक्षणिक संस्थानों और पर्यटन केंद्रों को बाजारों, स्वास्थ्य सेवाओं और रोजगार के अवसरों तक बेहतर पहुंच प्राप्त होगी। इससे क्षेत्र के समावेशी विकास में योगदान मिलेगा। राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-326) का मोहना-कोरापुट खंड (मध्यवर्ती लेन/दो लेन, कई दोषपूर्ण मोड़ और तीव्र ढलान) के कारण वर्तमान में निम्न गुणवत्ता का है। इसका मौजूदा सड़क संरेखण, मार्ग की चौड़ाई और ज्यामितीय कमियां भारी वाहनों की सुरक्षित और कुशल आवाजाही में बाधा डालती हैं। इसके कारण तटीय बंदरगाहों और औद्योगिक केंद्रों तक माल ढुलाई प्रभावित होती है। कॉरिडोर को दो लेन में अपग्रेड करके, पेव्ड शोल्डर बनाकर, ज्यामितीय सुधार (मोड़ का पुनर्संरेखण और ढलान में सुधार), ब्लैक स्पॉट को हटाकर और सड़क को मजबूत करके इन बाधाओं को दूर किया जाएगा। इससे माल और यात्रियों की सुरक्षित और निर्बाध आवाजाही संभव होगी और वाहन संचालन लागत में कमी आएगी। इसके उन्नत किये जाने से मोहना-कोरापुट से प्रमुख आर्थिक और साजो-सामान गलियारे तक सीधी और बेहतर पहुंच सुनिश्चित होगी। यह जो एनएच-26, एनएच-59, एनएच-16 और रायपुर-विशाखापत्तनम गलियारे से जुड़ेगी और गोपालपुर बंदरगाह, जेपोर हवाई अड्डे और कई रेलवे स्टेशनों तक सबके लिए पहुंच में सुधार करेगी। यह कॉरिडोर महत्वपूर्ण औद्योगिक और साजो-सामान केंद्रों (जेके पेपर, मेगा फूड पार्क, नालको, आईएमएफए, उत्कल एल्युमिना, वेदांता, एचएएल) और शिक्षा/पर्यटन केंद्रों (ओडिशा केंद्रीय विश्वविद्यालय, कोरापुट मेडिकल कॉलेज, तप्तपानी, रायगड़ा) को जोड़ता है। इससे माल ढुलाई में तेजी आएगी, यात्रा का समय कम होगा और क्षेत्रीय आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। यह परियोजना दक्षिणी ओडिशा (गजपति, रायगड़ा और कोरापुट जिले) की है और इससे वाहनों की आवाजाही को तेज और सुरक्षित बनाकर राज्य के भीतर और अंतर-राज्यीय संपर्क को काफी हद तक सुधारने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही यह परियोजना औद्योगिक और पर्यटन विकास को बढ़ावा देगी तथा आकांक्षी और आदिवासी क्षेत्रों में सेवाओं की पहुंच में सुधार करेगी। आर्थिक विश्लेषण से पता चलता है कि परियोजना का ईआईआरआर 17.95 प्रतिशत (आधार स्थिति) है, जबकि वित्तीय प्रतिफल (एफआईआरआर) नकारात्मक (-2.32 प्रतिशत) है। यह आर्थिक मूल्यांकन में शामिल सामाजिक और गैर-बाजार लाभों को दशार्ता है। इसमें मुख्य रूप से यात्रा समय और वाहन परिचालन लागत में बचत तथा सुरक्षा लाभ (ज्यामितीय सुधारों के बाद मोहना और कोरापुट के बीच लगभग ढाई से तीन घंटे तक की अनुमानित यात्रा समय में बचत और लगभग 12.46 किमी की दूरी की बचत) शामिल हैं। कार्यान्वयन रणनीति और लक्ष्य : यह कार्य ईपीसी मोड में पूरा किया जाएगा। ठेकेदारों को पुख्ता निर्माण और गुणवत्ता आश्वासन प्रौद्योगिकियों को अपनाना होगा। इनमें पूर्वनिर्मित बॉक्स-प्रकार संरचनाएं और पूर्वनिर्मित नालियां, पुलों और ग्रेड विभाजकों के लिए पूर्वनिर्मित आरसीसी/पीएससी गर्डर, प्रबलित मिट्टी की दीवारों पर पूर्वनिर्मित क्रैश बैरियर और फ्रिक्शन स्लैब और फुटपाथ परतों में सीमेंट ट्रीटेड सब-बेस (सीटीएसबी) शामिल किये जा सकते हैं। गुणवत्ता और प्रगति का सत्यापन नेटवर्क सर्वे व्हीकल (एनएसवी) और आवधिक ड्रोन-मैपिंग जैसे विशेष सर्वेक्षण और निगरानी उपकरणों के माध्यम से किया जाएगा। दैनिक पर्यवेक्षण नियुक्त प्राधिकरण अभियंता द्वारा किया जाएगा और परियोजना की निगरानी परियोजना निगरानी सूचना प्रणाली (पीएमआईएस) के माध्यम से की जाएगी। प्रत्येक पैकेज के लिए निर्धारित तिथि से 24 महीनों में कार्य पूरा करने का लक्ष्य है। इसके बाद पांच वर्ष की दोष दायित्व/रखरखाव अवधि होगी (कुल अनुबंध अवधि 7 वर्ष की होगीः 2 वर्ष निर्माण + 5 वर्ष दोष दायित्व/रखरखाव)। वैधानिक स्वीकृतियां प्राप्त होने और आवश्यक भूमि पर कब्जा मिलने के बाद अनुबंध प्रदान किया जाएगा। रोजगार सृजन की क्षमता सहित प्रमुख प्रभावः इस परियोजना का उद्देश्य यातायात की सुगम और सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करना तथा ओडिशा के दक्षिणी और पूर्वी भागों के बीच संपर्क को बेहतर बनाना है। विशेष रूप से गजपति, रायगढ़ा और कोरापुट जिलों को राज्य के शेष भाग और पड़ोसी आंध्र प्रदेश से जोड़ना इसका लक्ष्य है। बेहतर सड़क नेटवर्क से औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच बढ़ेगी तथा दक्षिणी ओडिशा के आदिवासी और पिछड़े क्षेत्रों के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान मिलेगा। निर्माण और रखरखाव अवधि के दौरान की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों से कुशल, अर्ध-कुशल और अकुशल श्रमिकों के लिए प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के महत्वपूर्ण अवसर उपलब्ध होने की उम्मीद है। यह परियोजना निर्माण सामग्री की आपूर्ति, परिवहन, उपकरण रखरखाव और संबंधित सेवाओं से जुड़े स्थानीय उद्योगों को भी बढ़ावा देगी। इससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को समर्थन मिलेगा। ओडिशा राज्य की यह परियोजना गजपति, रायगढ़ा और कोरापुट जिलों से होकर गुजरती है। यह कॉरिडोर मोहना, रायगढ़ा, लक्ष्मीपुर और कोरापुट जैसे प्रमुख शहरों को जोड़ता है। इससे ओडिशा के भीतर अंतर-राज्यीय संपर्क बेहतर और एनएच-326 के दक्षिणी छोर के माध्यम से आंध्र प्रदेश के साथ अंतर-राज्यीय संपर्क मजबूत होता है। सरकार ने 14 अगस्त, 2012 की राजपत्र अधिसूचना के माध्यम से ₹अस्का के पास एनएच-59 के साथ इसके जंक्शन से शुरू होने वाले, मोहना, रायपंका, अमलभाटा, रायगड़ा, लक्ष्मीपुर से गुजरने वाले और ओडिशा राज्य में चिंतुरु के पास एनएच-30 के साथ इसके जंक्शन पर समाप्त होने वाले राजमार्ग₹ के खंड को एनएच-326 घोषित किया है।

महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर ने नव वर्ष की शुभकामनायें दी

गोरखपुर,: महाप्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे उदय बोरवणकर ने सभी रेलकर्मियों, अधिकारियों, रेल कर्मचारी यूनियनों, अधिकारी संघों, रेल यात्रियों तथा समस्त रेल उपभोक्ताओं एवं उनके परिवारजनों को नव वर्ष की शुभकामनायें दी हैं।

महाप्रबन्धक श्री बोरवणकर ने नव वर्ष पर रेल कर्मियों को हार्दिक शुभकामना देते हुये उनके स्वस्थ, सफल एवं सुखमय जीवन की कामना की है तथा कहा कि आपके सामूहिक प्रयासों से वर्ष-2025 में पूर्वोत्तर रेलवे ने अनेक चुनौतियों का सामना करते हुये सफलतापूर्वक अनेक कीर्तिमान स्थापित किये एवं आप सभी के सम्मिलित प्रयासों से वर्ष-2026 में पूर्वोत्तर रेलवे सफलता की नई ऊँचाईयों को छूयेगी। महाप्रबन्धक ने यात्री जनता से अपील की है कि रेल परिसर तथा ट्रेनों को स्वच्छ बनाये रखने में रेल प्रशासन को सहयोग प्रदान करें तथा उचित टिकट लेकर ही अपनी यात्रा करें।

छपरा-प्रयागराज रामबाग-छपरा विशेष गाड़ी 02 जनवरी, 2026 से 16 के स्थान पर 24 कोचों से चलाई जायेगी

गोरखपुर: रेलवे प्रशासन द्वारा प्रयागराज में लगने वाले माघ मेला के अवसर पर श्रद्धालु यात्रियों की सुविधा हेतु 05107/05108 औडिहार-प्रयागराज रामबाग-औडिहार विशेष गाड़ी का संचलन यात्रा विस्तार देते हुए बढ़नी-प्रयागराज रामबाग-बढ़नी के मध्य निम्नवत किया जायेगा। 05107 बढ़नी-प्रयागराज रामबाग विशेष गाड़ी 01, 02, 03, 04, 05, 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26 एवं 31 जनवरी तथा 01, 02, 03, 14, 15, 16 एवं 17 फरवरी, 2026 को 27 फेरों के लिए चलाई जायेगी। यह गाड़ी बढ़नी से 19.50 बजे प्रस्थान कर शोहरतगढ़ से 20.10 बजे, सिद्धार्थनगर से 11.55 बजे, बृजमनगंज से 12.15 बजे, आनन्दनगर से 12.29 बजे, कैम्पियरगंज से 12.42 बजे, पीपीगंज से 12.57 बजे, नकहा जंगल से 13.28 बजे, गोरखपुर से 22.45 बजे, कप्तानगंज से 23.40 बजे दूसरे दिन रामकोला से 00.04 बजे, पड़रौना से 00.22 बजे, दुदही से 00.42 बजे, तमकुही रोड से 00.57 बजे, जलालपुर से 01.17 बजे, थावे से 01.50 बजे, हथुआ से 02.04 बजे, सीवान से 02.45 बजे, मैरवा से 03.16 बजे, भाटपार रानी से 03.31 बजे, भटनी से 04.15 बजे, सलेमपुर से 04.30 बजे, बेलथरा रोड से 04.51 बजे, मऊ से 05.30 बजे, दुल्लहपुर से 05.55 बजे, सादात से 06.14 बजे, औंड़िहार से 06.43 बजे, रजवाड़ी से 06.58 बजे, कादीपुर से 07.08 बजे, सारनाथ से 07.18 बजे, वाराणसी सिटी से 07.40 बजे, वाराणसी से 08.00 बजे, बनारस से 08.20 बजे, हरदत्तपुर से 08.30 बजे, राजातालाब से 08.40 बजे, निगतपुर से 08.52 बजे, कछवा रोड से 09.00 बजे, कटका से 09.09 बजे, माधोसिंह से 09.19 बजे, ज्ञानपुर रोड से 09.40 बजे, भीटी से 10.00 बजे, हंडिया खास से 10.09 बजे, रामनाथपुर से 10.25 बजे तथा झूंसी से 10.45 बजे छूटकर प्रयागराज रामबाग 11.30 बजे पहुँचेगी। वापसी यात्रा में 05108 प्रयागराज रामबाग-बढ़नी विशेष गाड़ी 02, 03, 04, 05, 06, 14, 15, 16, 17, 18, 19, 20, 21, 22, 23, 24, 25, 26 एवं 27 जनवरी तथा 01, 02, 03, 04, 15, 16, 17 एवं 18 फरवरी, 2026 को 27 फेरों के लिए चलाई जायेगी। यह गाड़ी प्रयागराज रामबाग से 20.10 बजे प्रस्थान कर झूंसी से 20.30 बजे, रामनाथपुर से 20.45 बजे, हंडिया खास से 21.03 बजे, भीटी से 21.12 बजे, ज्ञानपुर रोड से 21.30 बजे, माधोसिंह से 21.45 बजे, कटका से 21.56 बजे, कछवा रोड से 22.07 बजे, निगतपुर से 22.17 बजे, राजातालाब से 22.29 बजे, हरदत्तपुर से 22.39 बजे, बनारस से 23.15 बजे, वाराणसी से 23.35 बजे, वाराणसी सिटी से 23.55 बजे दूसरे दिन सारनाथ से 00.07 बजे, कादीपुर से 00.20 बजे, रजवाड़ी से 00.30 बजे, औंड़िहार से 00.52 बजे, सादात से 01.14 बजे, दुल्लहपुर से 01.33 बजे, मऊ से 02.05 बजे, बेलथरा रोड से 02.37 बजे, सलेमपुर से 02.58 बजे, भटनी से 03.40 बजे, भाटपार रानी से 03.57 बजे, मैरवा से 04.12 बजे, सीवान से 05.00 बजे, हथुआ से 05.34 बजे, थावे से 06.00 बजे, जलालपुर से 06.19 बजे, तमकुही रोड से 06.37 बजे, दुदही से 06.51 बजे, पड़रौना से 07.09 बजे, रामकोला से 07.42 बजे, कप्तानगंज से 08.20 बजे, गोरखपुर से 09.35 बजे, नकहा जंगल से 09.52 बजे, पीपीगंज से 10.09 बजे, कैम्पियरगंज से 10.23 बजे, आनन्दनगर से 10.34 बजे, बृजमनगंज से 10.48 बजे, सिद्धार्थनगर से 11.06 बजे तथा शोहरतगढ़ से 11.23 बजे छूटकर बढ़नी 12.10 बजे पहुँचेगी। इस गाड़ी में साधारण द्वितीय श्रेणी/शयनयान श्रेणी के 22 तथा एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 24 कोच लगाये जायेंगे।

58 सीएचओ की कम मिली उपस्थिति

बस्ती। स्वास्थ्य विभाग में चलाए जा रहे सभी कार्यक्रमों की मंडलीय समीक्षा बैठक मंगलवार को आयुक्त सभागार में हुई। अध्यक्षता मंडलायुक्त अखिलेश सिंह ने की। बैठक में भौतिक एवं वित्तीय समीक्षा हुई। जिसमें कई योजनाओं की स्थिति ठीक नहीं पाई गई। वहीं, 58 सीएचओ ऐसे हैं जिनकी उपस्थिति औसत से कम पाई गई। नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगने के लिए मंडलायुक्त ने एडी हेल्थ को निर्देश दिए। समीक्षा में जनपद बस्ती में 58 सीएचओ की नवम्बर में 20 दिन से कम उपस्थिति दर्ज की गई है। बस्ती में 70 वर्ष से ऊपर मात्र 35 प्रतिशत लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड बना है, बचे हुए लाभार्थियों का कार्ड बनवाने के लिए निर्देश दिए। बस्ती में लक्ष्य के सापेक्ष मात्र 35 प्रतिशत प्रसव की सूचना प्राप्त है। सीएमओ डॉ. राजीव निगम को निर्देश दिए कि जिन निजी अस्पतालों ने प्रसव की रिपोर्टिंग नहीं है उन्हें नोटिस जारी किया जाए। एफआरयू हरैया और 100 बेड महिला चिकित्सालय हरैया में माह नवम्बर में मात्र 4-4 ही सी सेक्शन प्रसव किया गया है जिसपर आयुक्त ने नाराजगी जताई और प्रसव दर सुधारने के निर्देश दिए। बैठक में सर्वोच्च न्यायालय की ओर से सुओ मोटो रिट पिटीशन (सिविल) नं. (एस.) 5 ऑफ 2025 द्वारा पारित निदेर्शों के बारे में बताया, इसके अनुसार सभी सरकारी और निजी चिकित्सालयों में एंटी रेबीज वैक्सीन की शत-प्रतिशत उपलब्ध रखने के लिए निर्देशित किए।

रेलवन एप के माध्यम से अनारक्षित टिकटों की डिजिटल बुकिंग पर मिलेगी 03 प्रतिशत छूट

गोरखपुर,: भारतीय रेल पर डिजिटलाइजेशन को बढ़ावा देने के लिये नित नये कदम उठाये जा रहे हैं। इसी क्रम में, ह्यह्यरेलवनह्यह्य ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकटों की डिजिटल बुकिंग पर 03 प्रतिशत की छूट मिलेगी। 14 जनवरी से 14 जुलाई, 2026 तक रेलवन ऐप के माध्यम से अनारक्षित टिकटों की बुकिंग तथा किसी भी डिजिटल माध्यम से भुगतान पर 03 प्रतिशत की छूट प्राप्त होगी। रेलवन ऐप पर आर-वालेट के माध्यम से अनारक्षित टिकट बुक करने पर तीन प्रतिशत का कैशबैक मिलता है। इस सम्बन्ध में रेल मंत्रालय ने डिजिटल बुकिंग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से, रेलवन ऐप पर सभी डिजिटल भुगतान माध्यमों से अनारक्षित टिकट की बुकिंग पर 03 प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया गया है। 03 प्रतिशत की छूट 14 जनवरी से 14 जुलाई, 2026 तक की अवधि के दौरान मिलेगी। इसके अतिरिक्त आवश्यकतानुसार रेलवन ऐप में आवश्यक बदलाव किये जायेंगे। रेलवन ऐप पर अनारक्षित टिकट की बुकिंग के अतिरिक्त आरक्षित टिकट की बुकिंग, प्लेटफॉर्म टिकट, ट्रेनों के संचलन की स्थिति, पी.एन.आर. एवं कोच की स्थिति, खानपान का ऑर्डर करने तथा रेल मदद आदि की सुविधा उपलब्ध है।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन ने कोटा-नागदा खंड पर 180 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से सीआरएस हाई-स्पीड ट्रायल सफलतापूर्वक पूरा किया

गोरखपुर,: भारतीय रेल ने रेल सुरक्षा आयुक्त (सी.आर.एस.) की देखरेख में स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का अंतिम उच्च गति परीक्षण सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह परीक्षण कोटा-नागदा खंड पर किया गया, जिसके दौरान ट्रेन ने 180 किमी. प्रति घंटे की अधिकतम गति प्राप्त की, जो उन्नत और आत्मनिर्भर रेल प्रौद्योगिकी की दिशा में भारत की यात्रा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। परीक्षण के दौरान, व्यापक तकनीकी मूल्यांकन किए गए, जिनमें सवारी स्थिरता, दोलन, कंपन व्यवहार, ब्रेकिंग प्रदर्शन, आपातकालीन ब्रेकिंग प्रणाली, सुरक्षा प्रणाली और अन्य महत्वपूर्ण मापदंडों का आकलन शामिल था। उच्च गति पर ट्रेन का प्रदर्शन पूरी तरह संतोषजनक पाया गया और सीआरएस द्वारा परीक्षण को सफल घोषित किया गया। रेल, सूचना एवं प्रसारण एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने सोशल मीडिया पर हाई-स्पीड ट्रायल का एक वीडियो साझा किया, जिसमें कोटा-नागदा खंड पर 180 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के सफल सी.आर.एस. ट्रायल को दिखाया गया है। वीडियो में पानी से भरे गिलासों की स्थिरता का प्रदर्शन भी किया गया, जिसमें पानी से भरे गिलास तेज गति पर भी बिना छलके स्थिर रहे। यह इस नई पीढ़ी की ट्रेन की उन्नत सवारी गुणवत्ता, बेहतर सस्पेंशन और तकनीकी मजबूती को दशार्ता है। परीक्षण में इस्तेमाल की गई 16 कोच वाली वंदे भारत स्लीपर ट्रेन लम्बी दूरी की यात्रा को ध्यान में रखकर बनाई गई है और इसमें अत्याधुनिक यात्री सुविधाएं मौजूद हैं। इनमें आरामदायक स्लीपर बर्थ, उन्नत सस्पेंशन सिस्टम, स्वचालित दरवाजे, आधुनिक शौचालय, अग्नि सुरक्षा और निगरानी प्रणाली, सीसीटीवी आधारित निगरानी, ??डिजिटल यात्री सूचना प्रणाली और ऊर्जा-कुशल तकनीकें शामिल हैं। इन सुविधाओं का उद्देश्य यात्रियों को सुरक्षित, आरामदायक और विश्व स्तरीय यात्रा का अनुभव प्रदान करना है।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों में उपलब्ध व्यापक तकनीकी प्रगति और सुरक्षा सुविधाओं का विवरण निम्नलिखित है।

कवच से सुसज्जित।

क्रैशप्रूफ और जर्क-फ्री सेमी परमानेंट कपलर और एंटी क्लाइम्बर।

प्रत्येक कोच के अंत में अग्निरोधक दरवाजे।

विद्युत कैबिनेट और शौचालयों में एरोसोल आधारित अग्नि पहचान और शमन प्रणाली से अग्नि सुरक्षा में सुधार हुआ है।

ऊर्जा दक्षता के लिए पुनयोर्जी ब्रेकिंग प्रणाली।

एयर कंडीशनिंग यूनिटों में स्वदेशी रूप से विकसित यूवी-सी लैंप आधारित कीटाणुशोधन प्रणाली लगाई गई है।

केंद्रीय रूप से नियंत्रित स्वचालित प्लग दरवाजे और पूरी तरह से सीलबंद चौड़े गलियारे।

सभी कोचों में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं।

आपातकालीन स्थिति में यात्री और ट्रेन प्रबंधक/लोको पायलट के बीच संचार के लिए आपातकालीन टॉक-बैक यूनिट।

दिव्यांगजन यात्रियों के लिए प्रत्येक छोर पर स्थित कोचों में विशेष शौचालय की व्यवस्था की गई है।

एयर कंडीशनिंग, सैलून लाइटिंग आदि जैसी यात्री सुविधाओं की बेहतर स्थिति की निगरानी के लिए केंद्रीकृत कोच निगरानी प्रणाली।

ऊपरी बर्थ पर चढ़ने में आसानी के लिए एर्गोनॉमिक रूप से डिजाइन की गई सीढ़ी।

सी.आर.एस. हाई-स्पीड ट्रायल का सफल समापन एक महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धि है और वंदे भारत स्लीपर सेवाओं की शुरूआत का मार्ग प्रशस्त करता है। यह विकास आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना के अंतर्गत नवाचार, सुरक्षा और स्वदेशी रेल निर्माण को बढ़ावा देने के प्रति भारतीय रेल की प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है।

ग्रामीण अंचल में अलाव की व्यवस्था नहीं

बस्ती। ग्रामीण अंचल में अलाव की व्यवस्था नहीं की गई है। ठंड में लोग घरों में रहने को मजबूर हैं। वहीं, श्रमिक वर्ग ठंड से राहत पाने के लिए कूड़ा- करकट जलाकर आग का इंतजाम कर रहे हैं। ग्रामीण कस्बों और शहर से सटे नगर पालिका सीमा से बाहर प्रमुख ग्रामीण चौराहों पर अलाव के लिए लकड़ियां नहीं गिरवाई गई हैं। जिससे आम लोगों में गुस्सा है। शहरी सीमा से सटे जिगिना, हरदिया, मनौरी, पटेल चौक, हंडिया, प्लॉस्टिक कांपलेक्स, ओड़वारा, सोनूपार, कैली, कृष्णा भगौती, भूअर आदि जगहों पर अलाव की व्यवस्था नहीं की गई है।

फ्लाईओवर पर अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर

कानपुर। चकेरी के रामादेवी फ्लाईओवर पर अज्ञात वाहन की टक्कर से दो बाइक सवारों की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। साथ ही, टक्कर मारने वाले वाहन की तलाश शुरू कर दी है। कानपुर में चकेरी थाना क्षेत्र के रामादेवी फ्लाईओवर पर गुरु हर स्कूल के पास बुधवार को एक अज्ञात वाहन ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक में बैठे दोनों लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद सूचना पाकर पहुंची पुलिस न मामले की जांच पड़ताल कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया। बिधनू थाना क्षेत्र के गढेवा मंझावान निवासी रघुराज सिंह (50) अपने भतीजे हिम्मत सिंह (27) दोपहर में 12:30 बजे करीब वापस घर लौट रहे थे। तभी रामादेवी फ्लाईओवर के पास गुरु हर राय अकेडमी स्कूल के पास पीछे से अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में हिम्मत और रघुराज को कांशीराम अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने देखते ही मृत घोषित कर दिया। थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज गया है। तहरीर के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल सीसीटीवी खंगाले जा रहे हैं, ताकि अज्ञात वाहन की पहचान हो सके।

एक जनवरी से बदल जाएगा 19 ट्रेनों का समय रेल यात्री टाइम टेबल देखकर निकलें

कानपुर। उत्तर-मध्य रेलवे ने एक जनवरी 2026 से कानपुर रूट की 19 ट्रेनों के समय में बदलाव या है, जिसमें संगम, कालिंदी और मेमू जैसी ट्रेनें शामिल हैं। यात्रियों को असुविधा से बचने के लिए नए टाइम-टेबल के अनुसार स्टेशन पहुंचने की सलाह दी गई है। कानपुर में नए साल के पहले दिन गुरुवार से कानपुर से होकर जाने वाली 19 ट्रेनों का समय बदल जाएगा। इनमें संगम, कालिंदी, प्रयागराज-डॉ. अंबेडकरनगर, प्रयागराज-लालगढ़ एक्सप्रेस समेत उत्तर-मध्य रेलवे की अन्य ट्रेनें हैं। ट्रेनों की नई समय सारिणी आधिकारिक तौर पर एक जनवरी 2026 से प्रभावी होगी। 64204 कानपुर सेंट्रल-लखनऊ मेमू अब कानपुर सेंट्रल से 06:55 की जगह सात बजे, 54158 फरुर्खाबाद-कानपुर अनवरगंज पैसेंजर अब अनवरगंज पर 12:50 की जगह 12:55 पर आएगी।

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने महाराष्ट्र में बीओटी मोड पर 374 किलोमीटर लंबे और 19,142 करोड़ रुपये की लागत वाले 6 लेन के ग्रीनफील्ड एक्सेस-कंट्रोल्ड नासिक-सोलापुर-अक्कलकोट कॉरिडोर के निर्माण वाली परियोजना को मंजूरी दी

गोरखपुर : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने आज महाराष्ट्र में बीओटी मोड पर 374 किलोमीटर लंबी और 19,142 करोड़ रुपये की कुल लागत से निर्मित होने वाली छह लेन की ग्रीनफील्ड एक्सेस-कंट्रोल्ड नासिक-सोलापुर-अक्कलकोट कॉरिडोर के निर्माण को मंजूरी दे दी है। यह परियोजना नासिक, अहिल्यानगर और सोलापुर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रीय शहरों को कुरनूल से जोड़ेगी, जैसा कि मानचित्र में दशार्या गया है। यह बुनियादी ढांचा परियोजना प्रधानमंत्री गतिशक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान सिद्धांत के तहत एकीकृत परिवहन अवसंरचना विकास को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। नासिक से अक्कलकोट तक प्रस्तावित ग्रीनफील्ड कॉरिडोर को वधावन बंदरगाह इंटरचेंज के पास दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे, नासिक में एनएच-60 (अदेगांव) के जंक्शन पर आगरा-मुंबई कॉरिडोर और पांगरी (नासिक के पास) में समृद्धि महामार्ग से जोड़ा जाना है। प्रस्तावित कॉरिडोर पश्चिमी तट से पूर्वी तट तक सीधी कनेक्टिविटी प्रदान करेगा। चेन्नई बंदरगाह से की ओर से तिरुवल्लूर, रेनिगुंटा, कडप्पा और कुरनूल होते हुए चेन्नई से हसापुर (महाराष्ट्र सीमा) तक लगभग 4-लेन कॉरिडोर परियोजनाएं (700 किमी लंबा) पहले से ही निमार्णाधीन है। प्रस्तावित एक्सेस-नियंत्रित छह-लेन ग्रीनफील्ड परियोजना कॉरिडोर का प्राथमिक उद्देश्य यात्रा दक्षता में सुधार करना है, जिससे यात्रा समय में लगभग17 घंटे की कमी और यात्रा दूरी में 201 किमी की कमी होने की उम्मीद है। नासिक-अक्कलकोट (सोलापुर) कनेक्टिविटी कोप्पार्थी और ओरवाकल के प्रमुख राष्ट्रीय औद्योगिक कॉरिडोर विकास निगम (एनआईसीडीसी) नोड्स से शुरू और समाप्त होने वाले माल ढुलाई के लिए लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार करेगी। इस खंड का नासिक-तलेगांव दिघे वाला हिस्सा पुणे-नासिक एक्सप्रेसवे के विकास की आवश्यकता को भी पूरा करता है, जिसे एनआईसीडीसी ने महाराष्ट्र सरकार द्वारा प्रस्तावित नए एक्सप्रेसवे के हिस्से के रूप में चिह्नित किया है। यह परियोजना बेहतर सुरक्षा और निर्बाध यातायात आवागमन के लिए डिजाइन किया गया एक उच्च गति कॉरिडोर प्रदान करती है, जिससे यात्रा का समय, भीड़भाड़ और परिचालन लागत कम होती है। इस परियोजना की महत्वपूर्ण बात यह है कि इस परियोजना से क्षेत्र में बुनियादी ढांचा बेहतर होगा, जिससे नासिक, अहिल्यानगर, धराशिव और सोलापुर जिलों के समग्र आर्थिक विकास में योगदान मिलेगा। यह छह लेन का एक?सेस-कंट्रोल ग्रीनफील्ड कॉरिडोर क?लोज टोलिंग प्रणाली के साथ विकसित किया गया है, जो औसतन 60 किमी/घंटे की वाहन गति तथा 100 किमी/घंटे की डिजाइन गति को समर्थन देगा। इससे कुल यात्रा समय लगभग 17 घंटे तक कम हो जाएंगा (31 घंटे का 55 प्रतिशत रह जाएगा), साथ ही यात्री और मालवाहक दोनों वाहनों के लिए सुरक्षित, तेज और निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी। इस परियोजना से लगभग 251.06 लाख मानव-दिवस का प्रत्यक्ष रोजगार और 313.83 लाख मानव-दिवस का अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होगा। इसके अलावा, प्रस्तावित कॉरिडोर के आसपास के क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों में वृद्धि के कारण अतिरिक्त रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

अफगानिस्तान ने टी20 विश्व कप के लिए घोषित की टीम

काबुल। अफगानिस्तान ने टी20 विश्व कप के लिए टीम घोषित कर दी है। अफगानिस्तान इस वैश्विक टूर्नामेंट में राशिद खान की कप्तानी में उतरेगा। अफगानिस्तान ने फरवरी में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए 15 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। राशिद खान इस वैश्विक टूर्नामेंट में टीम की अगुआई करेंगे। वहीं, गुलबदिन नईब और नवीन उल हक की टीम में वापसी हुई है। अफगानिस्तान 2024 टी20 विश्व कप की बेहतरीन टीमों में से एक थी। टीम पहली बार सेमीफाइनल तक पहुंची थी, लेकिन उसे दक्षिण अफ्रीका से हार का सामना करना पड़ा था। अफगानिस्तान की नजरें अब अपने प्रदर्शन में सुधार लाने पर टिकी होंगी। जादरान होंगे उपकप्तान इब्राहिम जदरान को टीम का उपकप्तान बनाया गया है। नवीन कंधे की चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं। उन्होंने आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच 2024 दिसंबर में खेला था।

स्टेशन परिसर बना नशे का अड्डा! नाबालिग ने खोला राज, 100 रुपए में नशा बेचने वाला पकड़ा

बाल कल्याण समिति की टीम और पुलिस ने की घेराबंदी

ग्वालियर

शहर में नशे का जाल किस कदर फैल चुका है, इसका सनसनीखेज खुलासा मंगलवार को रेलवे स्टेशन परिसर में हुआ। पड़ाव थाना पुलिस द्वारा घर से भागे एक नाबालिग बच्चे को बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) के समक्ष पेश किया गया। समिति के सामने बच्चे की हालत देखकर अधिकारी भी सन्न रह गए, बच्चा पूरी तरह नशे में धुत था।

जब बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष सोमेश महंत ने सख्ती से बच्चे से पूछा कि वह नशा कहां से खरीदता है, तो मासूम ने बिना झिझक जवाब दिया 'रेलवे स्टेशन से।' बच्चे के इस जवाब ने सिस्टम की पोल खोल दी। मामले की गंभीरता को देखते हुए समिति ने मौके पर ही बड़ा फैसला लिया और अध्यक्ष सोमेश महंत, सदस्य मनीषा शर्मा, रश्मि त्रिपाठी, अंजू

भदौरिया और संतोष शर्मा खुद बच्चे को लेकर रेलवे स्टेशन पहुंच गए।

समिति ने तत्काल जीआरपी और आरपीएफ को भी मौके पर बुला लिया। इसके बाद जो हुआ उसने सभी को चौंका दिया। समिति अध्यक्ष ने बच्चे को 100 रुपए दिए और कहा कि वही नशा खरीदकर दिखाओ। बच्चा सीधे स्टेशन की पार्किंग में खड़ी एक स्कॉर्पियो गाड़ी के पास पहुंचा। वहां मौजूद एक युवक ने उसे सिलोचन (नशीला पदार्थ) थमा दिया।

नजारा सामने आते ही जीआरपी हरकत में आई और मौके पर ही युवक को धर दबोचा। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम धर्मपाल निवासी मेरठ बताया। जीआरपी ने उसे तत्काल गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पकड़े जाने से यह साफ हो गया कि रेलवे स्टेशन परिसर में खुलेआम नशे का कारोबार चल रहा है और नाबालिगों को आसानी से इसका शिकार बनाया जा रहा है।

ठेकेदार ने कहा- पुलिस को कई बार की शिकायत

जब बाल कल्याण समिति ने पार्किंग ठेकेदार से सवाल किए तो उसने भी चौंकाने वाला बयान दिया। ठेकेदार ने कहा कि वह पहले भी कई बार पुलिस को पार्किंग में नशे के अवैध कारोबार की जानकारी दे चुका है, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

इनका कहना है

हमारे पास पड़ाव थाना पुलिस बच्चे को लेकर आई थी, बच्चे ने बताया था कि वह स्टेशन से नशा खरीदता है। हमारी टीम बच्चे को स्टेशन पर लेकर पहुंची थी, जहां पर एक व्यक्ति सिलोचन बेचते हुए पकड़ा गया है।

सोमेश महंत
अध्यक्ष बाल कल्याण समिति

बाल कल्याण समिति की सूचना पर हमने एक व्यक्ति को सिलोचन बेचते हुए पकड़ा है। व्यक्ति मेरठ का रहने वाला है। अभी पूछताछ जारी है।

जितेन्द्र चंदोलिया
जीआरपी थाना प्रभारी

सूचना मिली थी कि स्टेशन के पास कोई नशा बेच रहा है, मौके पर स्टाफ भी भेजा गया था, आरोपी को जीआरपी के सुपुर्द कर दिया गया है।

मनोज शर्मा
आरपीएफ निरीक्षक

विशेष गहन पुनरीक्षण का दूसरा चरण शुरू, लापरवाह कर्मचारियों को नोटिस

मतदाता सूची पर प्रशासन की सख्ती, सात दिन में दस्तावेज नहीं दिए तो कटेगा नाम

ग्वालियर

मतदाता सूची में लापरवाही और गड़बड़ी अब महंगी पड़ेगी। जिले में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के द्वितीय चरण की शुरुआत के साथ ही प्रशासन ने सख्ती बरतना शुरू कर दिया है। जिन मतदाताओं का अब तक मैपिंग कार्य नहीं हुआ, उन्हें सीधे नोटिस थमाए जा रहे हैं। वहीं जो मतदाता नोटिस मिलने के सात दिन के भीतर दस्तावेज पेश नहीं करेंगे तो उनका नाम सूची से कट जाएंगे।

सोमवार शाम कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में हुई राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक में जिलाधीश रुचिका चौहान ने कहा मतदाता सूची की शुद्धता से कोई समझौता नहीं होगा। उन्होंने अधिकारियों को दो टूक कहा कि यह कार्य सर्वोच्च प्राथमिकता पर किया जाए, वरना कार्रवाई तय है। बैठक में जैसे ही राजस्व प्रकरणों और शासन की योजनाओं में लापरवाही उजागर हुई तो जिलाधीश ने तहसीलदार गिरवाई, रेहट, सुपावली, एसडीओ मुरार के रीडर, गिरवाई व लश्कर के रीडर समेत सात कर्मचारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। बैठक में अपर कलेक्टर कुमार सत्यम, एडीएम सीबी प्रसाद, सभी एसडीएम, तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं राजस्व अधिकारी उपस्थित रहे।

ई-टोकन से होगा खाद वितरण

जिलाधीश ने कहा कि राजस्व न्यायालयों के आदेश केवल कागजों तक सीमित न रहें, जमीन पर अमल दिखना चाहिए। साथ ही फार्मर आईडी अभियान में ढिलाई पर नाराजगी जताते हुए चेताया कि आने वाले समय में ई-टोकन से खाद वितरण होगा, ऐसे में किसानों का डिजिटल रिकॉर्ड अधूरा रहा तो जिम्मेदारी तय की जाएगी। स्वामित्व योजना के तहत आवंटित भूखंडों के सत्यापन में भी तेजी लाने के निर्देश दिए गए। 4 जनवरी से पहले तहसीलदार, एसडीएम और एडीएम को गांव-गांव जाकर सत्यापन करना होगा।

खतरे की रसोई! अवैध गैस रिफिलिंग पर छापा, 40 घरेलू सिलेंडर जब्त, दो दुकानें सील

ग्वालियर

शहर में रसोई गैस की अवैध रिफिलिंग और भंडारण का खतरनाक खेल बेखौफ चल रहा था, जिसे प्रशासन ने जन-सुनवाई में मिली शिकायत के बाद उजागर कर दिया। जिलाधीश रुचिका चौहान के सख्त निर्देश पर खाद्य विभाग की टीम ने हजीरा, चार शहर का नाका और रसूलाबाद क्षेत्र में छापामार कार्रवाई कर अवैध रूप से भंडारित घरेलू गैस के 40 सिलेंडर जब्त किए हैं। साथ ही दो दुकानों को सील कर दिया गया है।

मंगलवार को कलेक्ट्रेट में आयोजित जन-सुनवाई के दौरान शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि चार शहर का नाका एवं रसूलाबाद क्षेत्र में बड़े पैमाने पर घरेलू गैस सिलेंडरों की अवैध रिफिलिंग और भंडारण किया जा रहा है। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए जिलाधीश ने तत्काल कार्रवाई के आदेश दिए। इसके बाद खाद्य विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर छापा मारा। जहां चार शहर का नाका क्षेत्र में राजपूत गैस रॉ मटेरियल के परिसर से 11 घरेलू गैस सिलेंडर अवैध रूप से भंडारित पाए गए।

जांच के दौरान परिसर में संचालित अन्य दो दुकानों के संचालक मौके से फरार हो गए। इन दोनों दुकानों को जांच के लिए सील कर दिया गया। इसी क्षेत्र में स्थित मनीष ट्रेडर्स के परिसर से भी कार्रवाई करते हुए 29 घरेलू गैस सिलेंडर जब्त किए गए। इस तरह दोनों परिसरों से कुल 40 सिलेंडर जब्त कर लिए गए। कार्रवाई में प्रभारी जिला आपूर्ति नियंत्रक अरविंद सिंह भदौरिया, सहायक आपूर्ति अधिकारी महावीर सिंह राठौर, सौरभ जैन, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी पूजा तोमर, सारिका कुशवाह, प्रीति गुप्ता एवं कुलदीप राजावत शामिल थे।

नया वर्ष मनाने सजने लगा शहर शराब पीकर वाहन चलाते पांच पकड़े

वाहनों की सघन चेकिंग, दो चार व तीन दो पहिया वाहन चालक पकड़े

ग्वालियर

शहर के अधिकतर रेस्टोरेंट और होटल नववर्ष के आगमन के लिए सजकर तैयार हो रहे हैं। नए वर्ष के आगमन पर पुलिस प्रशासन ने भी अपनी तैयारी पूरी कर ली है। मंगलवार को ही पुलिस ने वाहनों की चेकिंग करना शुरु कर दी है। पुलिसय ने दो चार व तीन दो पहिया वाहन चालकों को नशा कर वाहन चलाते हुए पकड़ा। ब्रीथ एनलाइजर से नशेड़ियों को फूंक मारकर चेक किया गया। बुधवार को भी पुलिस सड़कों पर ब्रीथ एनालाइजर से नशा करके वाहन करने वालों की चेकिंग करेगी। सड़क पर कोई भी हुड़दंग करता

मिला उसे पकड़कर हवालात में बंद किया जाएगा साथ ही ऐसे लोगों के खिलाफ सख्ती से निपटा जाएगा तो शांतिपूर्ण माहौल को खराब करने का प्रयास करेगा।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह ने बताया कि मंगलवार से पुलिस ने वाहनों की चेकिंग शुरु कर दी है। चेकिंग में दो चार पहिया वाहन व तीन दो पहिया वाहन चालकों को नशे किए हुए पकड़ा। जिनसे 50 हजार रुपए का जुर्माना वसूला गया। 31 जनवरी को शहर में पुलिस ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम तो किए हैं साथ ही शराब पीकर हुड़दंग करने वालों से निपटने की तैयारी कर ली है। पुलिस ने तीन दिन पहले ही ब्रीथ एलानाइजर मशीनों को चेक कर लिया था और उससे बुधवार को चिन्हित स्थानों पर नशेड़ियों को चेक किया जाएगा। पुलिस ने वाहन चालकों को हिदायत दी कि वह अपने साथ गाड़ी के समस्त दस्तावेज रखकर चलें और नशा किए हुए पाए जाने पर हवालात में बंद किया जाएगा। होटल और रेस्टोरेंट संचालकों को भी समझाइश दी गई कि वह नए वर्ष के स्वागत में देर रात तक डीजे नहीं बजाएं और नियमों को पालन करें।

जैन समाज दो को एसपी कार्यालय का करेगा घेराव

ग्वालियर

दीनदयाल नगर बी ब्लॉक स्थित जैन मंदिर के समीप रास्ते पर अवैध रूप से दीवार खड़ी कर कब्जा किए जाने से सकल जैन समाज नाराज है।

समाज द्वारा दो जनवरी को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक कार्यालय का घेराव कर ज्ञापन दिया जाएगा। जैन समाज के शुभम जैन ने बताया कि इस स्थान पर वर्तमान में जैन समाज के संतों के लिए संत निवास निर्माण का कार्य प्रारंभ करना चाहता है, किंतु पड़ोसी द्वारा जबरन उस भूमि पर जाने के मार्ग पर कब्जा कर लिया गया है। स्थिति यह है कि मौके पर असामाजिक तत्व बैठा रखे हैं, पुलिस के हस्तक्षेप के बावजूद दीवार निर्माण का कार्य रोका नहीं गया है, जो

कानून-व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़ा करता है। इस अन्याय एवं अवैध कब्जे के विरोध में जिले के सकल जैन समाज द्वारा 2 जनवरी को एसपी कार्यालय का घेराव किया जाएगा। जैन समाज ने मांग की है कि तत्काल अवैध कब्जा हटाकर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए।

कोहरा बना जानलेवा: मोटरसाइकिलों में टक्कर बेटे की मौत मां घायल, आरोपी मौके से भागा

ग्वालियर

घाटीगांव थाना क्षेत्र में घने कोहरे में दो मोटर साइकिलों में हुई जबरदस्त भिंड़त में एक युवक की मौत हो गई जबकि मां गंभीर रूप से घायल हो गई। सड़क दुर्घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को चिकित्सालय पहुंचाया। पुलिस ने घटना की जांच प्रारंभ कर दी है।

इन दिनों सर्दी के साथ ही घना कोहरा पड़ रहा है। मंगलवार की सुबह 9 बजे पनिहार निवासी रेहान खान (19) अपनी मां बानो खान (45) मोटर साइकिल के साथ घाटीगांव किसी रिश्तेदार के यहां जा रहा था। वह घाटीगांव थाना क्षेत्र स्थित इमलिया तिराहा मोड़ के पास पहुंचा ही था कि तभी सामने से आ रहे मोटर साइकिल क्रमांक एमपी 07 एमएक्स 6650 के चालक ने टक्कर मार दी। दोनों मोटर साइकिलों में हुई आमने-सामने की भिंड़त इतनी जबरदस्त थी कि मां-बेटा सड़क पर गिरकर गंभीर रुप से घायल हो गए। वहीं दूसरी मोटर साइकिल सवार भी घायल हो गया। सड़क दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल मां-बेटे को चिकित्सालय पहुंचाया जबकि दूसरी मोटर साइकिल का चालक अपनी गाड़ी मौके पर छोड़कर लापता हो गया। गंभीर रुप से घायल रेहान ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया तो वहीं मां बानो खान की हालत नाजुक बनी हुई है। आरोपी चालक की पहचान रंजीत पुत्र कुलविंदर सिंह निवासी मोहना के रूप में हुई। पुलिस ने जालिम खान निवासी इमलिया घाटीगांव की शिकायत पर रंजीत के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर ली है।

बेटे की मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल

सड़क दुर्घटना में रेहान की मौत का जब परिजनों को पता चला तो घर में कोहराम मच गया। परिजन चिकित्सालय पहुंच गए और जवान बेटे का शव देखकर बिलखने लगे। कोहरा होने के कारण दोनों ही मोटर साइकिल चालक देख नहीं सके। वाहनों की हालत देखकर कयास लगाया जा रहा है कि गाड़ियों की गति अधिक होगी।

कर्मचारियों में विवाद, कैंची से किया हमला

ग्वालियर

कनिष्ठ कर्मचारी को ठीक से काम करने की कहना वरिष्ठ को भारी पड़ गया और उसने कैंची से अपने ही वरिष्ठ कर्मचारी पर ताबड़तोड़ हमले कर लहूलुहान कर दिया। पीठ व सीने में कैंची लगने से घायल को चिकित्सालय में भर्ती कराया गया है। हमलवार मौके से फरार हो गया पुलिस आरोपी की तलाश में उसके छिपने के ठिकानों पर दबिश दे रही है।

गोला का मंदिर थाना क्षेत्र स्थित धर्मवीर पेट्रोल पंप के पास गर्ग केमिकल कंपनी में नीतेश पुत्र रामप्रकाश शाक्य निवासी कुम्हराऊआ भिंड हाल सैनिक कॉलोनी काम करता है और वह कम्पनी में रूम इंचार्ज भी है।

सोमवार शाम को नीतेश और कंपनी कर्मचारी आकाश सक्सेना के बीच विवाद हो गया। बताया गया है कि आकाश, नीतेश के ही अधीन था और वह कुछ समय पहले ही कंपनी में काम करने आया था। रूम इंचार्ज नीतेश ने उससे पूछा कि वह ठीक से काम क्यों नहीं कर रहा है और बार-बार शिकायत क्यों आ रही है। नीतेश की यह बात सुनकर वह भड़क गया और उसने नीतेश से कहा कि वह ऐसे ही काम करेगा। इसी बात पर आकाश गाली गलौच पर उतारू हो गया। नीतेश ने गालियां देने का विरोध किया तो आकाश ने पास ही रखी सर्जिकल कैंची उठाकर नीतेश पर ताबड़तोड़ वार कर दिए।

बताया गया है कि हमलावर से बचने का नीतेश ने कई बार प्रयास किया लेकिन आकाश ने पीठ व सीने में कैंची मारकर लहूलुहान कर दिया। हमलावर कैंची मारने के बाद मौके से फरार हो गया। घायल को चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। पुलिस ने नीतेश की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है।

डॉ. सुखदेव माखीजा कॉलेज ऑफ फिजीशियंस के प्रोफेसर मनोनीत

ग्वालियर। चिकित्सा शिक्षा, प्रशिक्षण और शोध के क्षेत्र में ग्वालियर के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि सामने आई है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) के वरिष्ठ सदस्य, कॉलेज ऑफ फिजीशियनस के पूर्व कार्यकारिणी सदस्य एवं गजरा राजा चिकित्सा महाविद्यालय के पूर्व छात्र डॉ. सुखदेव माखीजा को केंद्रीय आईएमए, नई दिल्ली द्वारा कॉलेज ऑफ फिजीशियनस का मानसेवी प्राध्यापक मनोनीत किया गया है। आईएमए के 100वें राष्ट्रीय सम्मेलन की पूर्व संध्या पर अहमदाबाद में आयोजित एकेडमिक अवॉर्ड सत्र के दौरान डॉ. माखीजा को मानसेवी प्राध्यापक का मनोनयन पत्र एवं सम्मान आईएमए के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. दिलीप भानुशाली एवं महासचिव डॉ. सरबरी दत्ता ने प्रदान किया। समारोह में उड़ीसा के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मुकेश महालिंगम एवं सीजीपी (कॉलेज ऑफ जनरल प्रैक्टिशनर्स) के पदाधिकारी भी उपस्थित रहे।

विद्यार्थियों की मांग पर 24 घंटे के लिए खुली नामांकन की लिंक

ग्वालियर

जीवाजी विश्वविद्यालय ने छात्र-छात्राओं की मांग को ध्यान में रखते हुए नामांकन प्रक्रिया के लिए एक दिन का अतिरिक्त अवसर प्रदान किया है। यह राहत विश्वविद्यालय से संबद्ध सभी महाविद्यालयों में अध्ययनरत स्नातक एवं स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों को दी गई है। इस निर्णय से बीए, बीएससी, बीकॉम, एमए, एमएससी, एमकॉम, बीएड, एमएड सहित अन्य पाठ्यक्रमों में अध्ययनरत वे विद्यार्थी लाभान्वित होंगे, जो किसी कारणवश समय पर नामांकन प्रक्रिया पूरी नहीं कर सके थे। विश्वविद्यालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार विद्यार्थी निर्धारित प्रक्रिया के तहत 300 रुपए विलंब शुल्क के साथ नामांकन कर सकेंगे। इसके लिए बुधवार को अंतिम तिथि निर्धारित की गई है। विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह अवसर केवल एक दिन के लिए दिया गया है और इसके बाद किसी भी प्रकार की अतिरिक्त छूट या समय-सीमा बढ़ाने पर विचार नहीं किया जाएगा। दरअसल मंगलवार को विवि के कुलसचिव डॉ. राजीव मिश्रा व परीक्षा नियंत्रक डॉ. आशा कुमारी से छात्र-छात्राओं द्वारा मांग रखी कि तकनीकी समस्याओं, दस्तावेजों की कमी और अन्य कारणों से कई विद्यार्थी नामांकन से वंचित रह गए हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय ने यह निर्णय लिया है, ताकि किसी भी विद्यार्थी का शैक्षणिक वर्ष प्रभावित न हो। विश्वविद्यालय ने सभी महाविद्यालयों के प्राचार्यों और प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे विद्यार्थियों को इस अंतिम अवसर की जानकारी तत्काल उपलब्ध कराएं और समय-सीमा के भीतर प्रक्रिया पूर्ण कराने में सहयोग करें। साथ ही विद्यार्थियों से अपील की गई है कि वे अंतिम दिन की प्रतीक्षा किए बिना शीघ्र ही नामांकन प्रक्रिया पूरी कर लें, ताकि भविष्य में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

आवेदन की अंतिम तिथि 5, देरी पर 25 प्रतिशत जुर्माने की तैयारी

संबद्धता पर संकट : 200 में से सिर्फ 21 बीएड महाविद्यालयों ने किए आवेदन

ग्वालियर

जीवाजी विश्वविद्यालय से संबद्ध अंचल में बीएड और एमएड पाठ्यक्रम संचालित करने वाले 200 महाविद्यालयों में से मात्र 21 ने ही संबद्धता के लिए आवेदन किया है, जबकि अंतिम तिथि 5 जनवरी है। इतनी कम संख्या में आवेदन आने की वजह से अब विश्वविद्यालय विचार कर रहा है कि तय तारीख तक आवेदन न करने वाले महाविद्यालयों पर

संबद्धता शुल्क की 25 प्रतिशत राशि जुर्माने के रूप में अधिरोपित की जाए।

उल्लेखनीय है कि जीवाजी विश्वविद्यालय द्वारा महाविद्यालयों को संबद्धता देने की प्रक्रिया दिसंबर माह से शुरू कर दी थी। मार्च-अप्रैल तक यह प्रक्रिया पूरी करना होती है। इसमें महाविद्यालयों द्वारा संबद्धता के लिए आवेदन करने के बाद विश्वविद्यालय इनका निरीक्षण कराता है, निरीक्षण रिपोर्ट के आधार पर कार्यपरिषद महाविद्यालयों को संबद्धता प्रदान करती है।

इसके चलते दिसंबर माह में ही बीएड महाविद्यालयों को संबद्धता दिए जाने के लिए आवेदन करने की लिंक खोल दी गई थी। आवेदन करने की आखिरी तारीख 5 जनवरी तय की गई थी। उम्मीद की जा रही थी कि तय तारीख तक महाविद्यालय संबद्धता के लिए आवेदन कर देंगे, लेकिन अब सिर्फ छह दिन आवेदन करने के लिए बाकी हैं, लेकिन अब तक सिर्फ 21 महाविद्यालयों ने ही संबद्धता के लिए आवेदन किया है। अगर तय तारीख तक महाविद्यालय संबद्धता के लिए आवेदन नहीं करते हैं तो विश्वविद्यालय को एक बार फिर इस तारीख को आगे बढ़ाना होगा। ऐसी स्थिति में विश्वविद्यालय विचार कर रहा है कि महाविद्यालय तय तारीख तक आवेदन नहीं करते हैं और तारीख बढ़ाना पड़ती है तो ऐसी स्थिति में देरी से आवेदन करने वाले महाविद्यालयों से संबद्धता शुल्क का 25 फीसदी तक अतिरिक्त शुल्क वसूलने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है।

सुविधाओं के आधार पर मिलती है संबद्धता

अंचल के महाविद्यालयों को विद्यार्थियों को दी जाने वाली सुविधाओं के आधार पर संबद्धता दी जाती है। इन सुविधाओं का निरीक्षण विश्वविद्यालय द्वारा गठित टीमों द्वारा किया जाता है। जिसकी रिपोर्ट पहले स्थायी समिति और उसके बाद कार्यपरिषद में रखी जाती है। इस रिपोर्ट के आधार पर संबद्धता दी जाती है।

स्व. सिंधिया का फोटो खिंचवाने वाले सिंघल का निधन

ग्वालियर। नगर निगम में विभिन्न पदों पर कार्यरत रहे बृजमोहन सिंघल का गत दिवस निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार लक्ष्मीगंज मुक्तिधाम में किया गया। मुखाग्नि ज्येष्ठ पुत्र अभिभाषक प्रशांत सिंहल ने दी। उल्लेखनीय है कि 78 वर्षीय श्री सिंहल निर्वाचन सुपरवाइजर सहित, भंडार, टाउनहॉल एवं बाल भवन के प्रभारी रहे। चुनाव कार्य में विशेषज्ञता के कारण उनसे सेवानिवृत्ति के बाद भी संविदा पर कार्य लिया जाता रहा। देश के तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन द्वारा मतदाता पहचान पत्र अनिवार्य किए जाने पर श्री सिंघल दिल्ली जाकर तत्कालीन केंद्रीय मंत्री स्व. माधवराव सिंधिया का फोटो खिंचवाकर लाए थे। उनकी उठावनी 31 दिसंबर बुधवार को दोपहर 3 से 4 बजे तक चेंबर ऑफ कॉमर्स भवन में रखी गई है।

सम्पादकीय

एंजेल चकमा की मौत, देश के लिए सबक

उत्तराखंड की राजधानी देहरादून में त्रिपुरा से आए छात्र एंजेल चकमा की नस्लवादी नफरत में हत्या कर दी गई। इस घटना पर अब उत्तराखंड से लेकर त्रिपुरा तक विरोध-प्रदर्शन हो रहे हैं, लोग नाराजगी व्यक्त कर रहे हैं। पूर्वोत्तर के छात्र अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित हैं। वहीं अब भाजपा के नेता भी इस घटना को दुखद और चिंतनीय बता रहे हैं। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सोमवार को पूर्वोत्तर के लोगों की सुरक्षा और संरक्षण सुनिश्चित करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भारतीय समाज में नस्लवाद और भेदभाव के लिए कोई जगह नहीं है। किसी भी जाति, नस्ल या धर्म के लोगों का मजाक नहीं उड़ाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल पूर्वोत्तर के लोग ही नहीं, बल्कि सभी को इस तरह की घटनाओं से दुखी होना चाहिए, क्योंकि यह किसी के साथ भी हो सकता है।एक बेकसूर नागरिक को केवल उसके चेहरे-मोहरे के कारण मार देना दुख और नाराजगी की बात तो है ही, उससे भी अधिक गहरी चिंता की बात है कि एक समाज के तौर पर हम पागलपन के किस दौर में पहुंचा दिए गए हैं। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोगों को कपड़ों से पहचान करने के लिए उकसाया तो अब उससे एक कदम आगे बढ़ते हुए लोग कपड़ों के साथ-साथ खान-पान, नाम, नैन-नक्श से भी पहचान करने लगे हैं कि कौन हमारे जैसा है और कौन नहीं। जो हमारी तरह नहीं है, बहुसंख्यकों में शामिल नहीं है, उसे अल्पसंख्यक भी न रहने दिया जाए, बल्कि उसका अस्तित्व ही मिटा दिया जाए, इसी उन्मादी सोच का शिकार देश हो चुका है।भाजपा ने सत्ता पाने और उस पर जमे रहने के लिए लोगों में जो फूट डालनी शुरू की है, अब उसकी पराकाष्ठा देखी जा सकती है। किरण रिजीजू को अब अगर लग रहा है कि जाति, नस्ल या धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए, तो ऐसा ही विरोध उन्हें उस वक्त भी करना था जब सैंटा क्लॉज की टोपी पहनने या बेचने वालों को प्रताड़ित किया गया। जब जन्मदिन के जश्न में बजरंग दल के गुंडे केवल इसलिए घुसकर मारपीट करने लगे, क्योंकि उसमें अल्पसंख्यक लोग भी थे। अगर अखलाक की लिंचिंग के बाद ही किरण रिजीजू भीड़ की हिंसा के खिलाफ बोलते या झारखंड में मॉब लिंचिंग के आरोपियों को जब भाजपा नेता जयंत सिन्हा माला पहना रहे थे, तब उनकी मुखालफत करते, तब तो उनकी चिंता जायज लगती। लेकिन अभी तो ऐसा लग रहा है कि पूर्वोत्तर में भाजपा की स्थिति कमजोर न हो जाए, इस डर से किरण रिजीजू पीड़ित के पक्ष में बोल रहे हैं।गनीमत यही है कि वो बोल रहे हैं, वर्ना देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को तो शायद ऐसी घटनाएं संबोधित करने लायक लगती ही नहीं हैं। वैसे भी इस समय उनका पूरा ध्यान इस समय बंगाल चुनाव पर हैं, जहां से घुसपैठियों को चुन-चुन कर निकालने की प्रतिबद्धता मोदी-शाह दिखा रहे हैं। हालांकि वे अब तक ये नहीं बता पाए हैं कि इससे पहले झारखंड, दिल्ली और बिहार में उन्हें कितने घुसपैठिए मिले हैं और उन पर क्या कार्रवाई की गई है। घुसपैठिए का डर बढ़ाकर भी देश में अल्पसंख्यकों और बांग्लाभाषियों के लिए खतरे बढ़ा दिए गए हैं। मजदूरी या अन्य कार्यों में रत बांग्लाभाषियों को कई बार घुसपैठिए होने के नाम पर प्रताड़ित होना पड़ा है। इस सिलसिले में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर चिंता जाहिर की है कि प्रवासी बंगाली मजदूरों के साथ हो रहे भेदभाव पर कार्रवाई की जाए।तो किरण रिजीजू मुंहजुबानी जो चिंता जतला रहे हैं, उसे अपनी पार्टी के भीतर उन्होंने व्यक्त किया है या नहीं, ये भी बता देना चाहिए। वैसे उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 29 तारीख को पीड़ित के पिता से फोन पर बात की और आश्वासन दिया कि कोई बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने त्रिपुरा की भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री माणिक साहा से भी फोन पर बात की। पीड़ित के पिता से बात करते हुए मुख्यमंत्री धामी ने बाकायदा वीडियो बनवाया और उसे सोशल मीडिया पर भी पोस्ट किया। सवाल ये है कि क्या भाजपा के लोगों में शर्म और संवेदनशीलता का भाव रंचमात्र भी बचा है या नहीं। क्योंकि 9 तारीख की घटना पर प्रतिक्रिया देने में मुख्यमंत्री को पूरे 20 दिन लग गए। जबकि घटना उसी देहरादून में हुई, जहां वो रहते हैं। क्या मुख्यमंत्री को यह खबर ही नहीं थी कि राजधानी में एंजेल और उनके छोटे भाई माइकल को बीच बाजार में श्चीनीश, श्चिंकीश और श्मोमोश जैसे अपमानजनक शब्द कहकर छेड़ा गया और विरोध करने पर उन्हें इतनी बुरी तरह मारा गया कि उनकी जान ही चली गई। अगर मुख्यमंत्री इस घटना से अनजान थे तो फिर यह माना जा सकता है कि सरकार का सूचना तंत्र बेहद कमजोर है और उन्हें इस पद पर रहने का अधिकार नहीं है। और अगर उन्हें इस नस्लीय हिंसा की जानकारी थी तो फिर इतने दिन चुप्पी क्यों लगाई गई, यह भी विचारणीय है। राहुल गांधी ने सही लिखा है कि नफरत रातोंरात नहीं पैदा होती। सालों से इसे रोजाना पोषित किया जा रहा है- खासकर हमारी युवा पीढ़ी को- जहरीले कंटेंट और गैरजिम्मेदार बातों से। और सत्ता में बैठी बीजेपी की नफरत उगलने वाली नेतागिरी इसे सामान्य बना रही है। हम प्यार और विविधता का देश हैं।

सनातन संस्कृति, भारत एवं संघ के विरुद्ध गढ़े जा रहे हैं झूठे विमर्श

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 में हुई थी और इसके साथ ही संघ ने देश के विभिन्न नगरों एवं ग्रामों में शाखाओं की स्थापना करते हुए भारत के युवाओं में राष्ट्रीयता के भाव को जागृत करना प्रारम्भ कर दिया था। वर्ष 1947 आते आते तो भारत में संघ के स्वयसेवकों की एक बड़ी फौज खड़ी हो चुकी थी। भारत आज विश्व के आर्थिक, सामाजिक एवं राजनैतिक परिदृश्य को बदलने में अपनी प्रभावी भूमिका निभा रहा है। पश्चिमी देशों के वर्चस्व को पूर्वी देशों से चुनौती मिल रही है, जिसका नेतृत्व भारत करता हुआ दिखाई दे रहा है। इसलिए, अमेरिका के कुछ विघ्नसंतोषी संस्थानों सहित कुछ विकसित देश सनातन हिन्दू संस्कृति, भारत एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर निराधार आरोप लगाकर झूठे विमर्श गढ़ने का लगातार प्रयास कर रहे हैं। दरअसल, पश्चिमी देशों की समस्या यह है कि वे केवल अपनी आधी अधूरी जानकारी को ही पूर्ण जानकारी मानते हुए अपने विचार तय करते हैं। जबकि, उनके विचार स्पष्टतः सत्यता की कसौटी पर खरे नहीं उतरते हैं। भारत पर आक्रांताओं एवं अंग्रेजो के शासनकाल में भी सनातन हिंदू संस्कृति एवं भारतीय संस्कारों पर जो विचार गढ़े गए थे, वे पूर्णतः गलत पाए गए थे। जैसे, सनातन संस्कृति के संस्कार रूढ़िवादी हैं एवं यह विज्ञान के धरातल पर खरे नहीं उतरते हैं, आदि, आदि। उनके द्वारा सनातन संस्कृति के बारे में गढ़े गए विचार पूर्णतः उनके आधे अधूरे ज्ञान पर ही आधारित थे। परंतु, आज सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कार विज्ञान के धरातल पर खरे पाए जा रहे हैं। पश्चिमी देशों के तथाकथित विद्वानों में सनातन हिंदू संस्कृति, भारत एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में जानकारी का पूर्णतः अभाव है। अमेरिका से प्रकाशित न्यूयॉर्क टाइम्स नामक एक समाचार पत्र में हाल ही में प्रकाशित एक लेख में राष्ट्रीय

भारत पर आक्रांताओं एवं अंग्रेजो के शासनकाल में भी सनातन हिंदू संस्कृति एवं भारतीय संस्कारों पर जो विचार गढ़े गए थे, वे पूर्णतः गलत पाए गए थे। जैसे, सनातन संस्कृति के संस्कार रूढ़िवादी हैं एवं यह विज्ञान के धरातल पर खरे नहीं उतरते हैं, आदि, आदि। उनके द्वारा सनातन संस्कृति के बारे में गढ़े गए विचार पूर्णतः उनके आधे अधूरे ज्ञान पर ही आधारित थे। परंतु, आज सनातन हिंदू संस्कृति के संस्कार विज्ञान के धरातल पर खरे पाए जा रहे हैं। पश्चिमी देशों के तथाकथित विद्वानों में सनातन हिंदू संस्कृति, भारत एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में जानकारी का पूर्णतः अभाव है। अमेरिका से प्रकाशित न्यूयॉर्क टाइम्स नामक एक समाचार पत्र में हाल ही में प्रकाशित एक लेख में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बारे में असत्य विचार प्रकट किए गए हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित यह आलेख न तो भारत के सामाजिक यथार्थ का परिपूर्ण चित्र प्रस्तुत करता है, न ही संघ की वैचारिक और संगठनात्मक वास्तविकता को। इस लेख में तथ्यों, आंकड़ों और स्वतंत्र स्त्रोतों का संतुलित उपयोग नहीं किया गया है और यह लेख पूर्णतः पूर्वाग्रहों पर आधारित दिखाई देता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास एवं संघ के स्वयंसेवकों द्वारा सम्पन्न किए गए अतुलनीय कार्यों के बारे में इन महानुभावों को कोई जानकारी ही नहीं है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 में हुई थी और इसके साथ ही संघ ने देश के विभिन्न नगरों एवं ग्रामों में शाखाओं की स्थापना करते हुए भारत के युवाओं में राष्ट्रीयता के भाव को जागृत करना प्रारम्भ कर दिया था। वर्ष 1947 आते आते तो भारत में संघ के स्वयसेवकों की एक बड़ी फौज खड़ी हो चुकी थी। वर्ष 1947 में जब पाकिस्तानी सेना की टुकड़ियों ने कश्मीर की सीमा को पार करने की कोशिश की थी तब संघ के स्वयसेवकों ने कश्मीर की सीमा पर पाकिस्तानी सेना की गतिविधियों पर बिना किसी प्रशिक्षण के लगातार नजर बनाए रखी थी और तब पाकिस्तानी सेना को रोकने हेतु भारतीय सेना के जवानों के साथ संघ के कई स्वयसेवकों ने भी अपनी मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति दी थी। साथ ही, भारत में विभाजन के समय दंगे भड़कने के दौरान पाकिस्तान से जान बचाकर आए हिंदू शरणार्थियों की सहायता के लिए संघ के स्वयसेवकों ने 3,000 से अधिक राहत शिविर भारत में लगाए थे। कश्मीर के भारत में विलय के समय पाकिस्तान की सेना कबाईलियों के भेष में भारत की सीमा में घुस रही थी, ऐसे में तात्कालीन केंद्र सरकार यह फैसला नहीं ले पा रही थी कि इन परिस्थितियों के बीच क्या किया जाय क्योंकि उस समय कश्मीर के महाराजा श्री हरी सिंह जी भारत में कश्मीर के विलय सम्बंधी प्रस्ताव पर अपने हस्ताक्षर नहीं कर पाए थे। इन विकट परिस्थितियों के बीच सरदार पटेल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक श्री गुरु गोलवलकर जी से मदद मांगी और उन्हें कश्मीर में महाराजा श्री हरी सिंह जी से मिलने भेजा। श्री गुरु जी तुरंत कश्मीर गए एवं महाराजा श्री हरी सिंह जी को समझाया और कश्मीर के भारत में विलय सम्बंधी प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करा लिए और उसे दिल्ली भेज दिया।

स्वयंसेवक संघ के बारे में असत्य विचार प्रकट किए गए हैं। न्यूयॉर्क टाइम्स में प्रकाशित यह आलेख न तो भारत के सामाजिक यथार्थ का परिपूर्ण चित्र प्रस्तुत करता है, न ही संघ की वैचारिक और संगठनात्मक वास्तविकता को। इस लेख में तथ्यों, आंकड़ों और स्वतंत्र स्त्रोतों का संतुलित उपयोग नहीं किया गया है और यह लेख पूर्णतः पूर्वाग्रहों पर आधारित दिखाई देता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के इतिहास एवं संघ के स्वयंसेवकों द्वारा सम्पन्न किए गए अतुलनीय कार्यों के बारे में इन महानुभावों को कोई जानकारी ही नहीं है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना वर्ष 1925 में हुई थी और इसके साथ ही संघ ने देश के विभिन्न नगरों एवं ग्रामों में शाखाओं की स्थापना करते हुए भारत के युवाओं में राष्ट्रीयता के भाव को जागृत करना प्रारम्भ कर दिया था। वर्ष 1947 आते आते तो भारत में संघ के स्वयसेवकों की एक बड़ी फौज खड़ी हो चुकी थी। वर्ष 1947 में जब पाकिस्तानी सेना की टुकड़ियों ने कश्मीर की सीमा को पार करने की कोशिश की थी तब संघ के स्वयसेवकों ने कश्मीर की सीमा पर पाकिस्तानी सेना की गतिविधियों पर बिना किसी प्रशिक्षण के लगातार नजर बनाए रखी थी और तब पाकिस्तानी सेना को रोकने हेतु भारतीय सेना के जवानों के साथ संघ के कई स्वयसेवकों ने भी अपनी मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति दी थी। साथ ही, भारत में विभाजन के समय दंगे भड़कने के दौरान पाकिस्तान से जान बचाकर आए हिंदू शरणार्थियों की सहायता के लिए संघ के स्वयसेवकों ने 3,000 से अधिक राहत शिविर भारत में लगाए थे। कश्मीर के भारत में विलय के समय पाकिस्तान की सेना कबाईलियों के भेष में भारत की सीमा में घुस रही थी, ऐसे में तात्कालीन केंद्र सरकार यह फैसला नहीं ले पा रही थी कि इन परिस्थितियों के बीच क्या किया जाय क्योंकि उस समय कश्मीर के महाराजा श्री हरी सिंह जी भारत में कश्मीर के विलय सम्बंधी प्रस्ताव पर अपने हस्ताक्षर नहीं कर पाए थे। इन विकट परिस्थितियों के बीच सरदार पटेल ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक श्री गुरु गोलवलकर जी से मदद मांगी और उन्हें कश्मीर में महाराजा श्री हरी सिंह जी से मिलने भेजा। श्री गुरु जी तुरंत कश्मीर गए एवं महाराजा श्री हरी सिंह जी को समझाया और कश्मीर के भारत में विलय सम्बंधी प्रस्ताव पर हस्ताक्षर करा लिए और उसे दिल्ली भेज दिया। इस प्रकार उन्होंने पाकिस्तानी सेना के पूरे कश्मीर पर कब्जे को विफल करने में अपना महत्वपूर्ण योगदान किया। दादरा, नगर हवेली और गोवा को मुक्त कराते हुए भारत में विलय में भी संघ के स्वयसेवकों की प्रमुख भूमिका रही थी। 21 जुलाई 1954 को दादरा को पुर्तगालियों से मुक्त कराया गया था, 28 जुलाई 1954 को नरोली और फिपारिया को मुक्त कराया गया और फिर राजधानी सिलवासा को मुक्त कराया गया था। संघ के स्वयसेवकों ने 2 अगस्त 1954 की सुबह पुर्तगाल का झंडा उतारकर भारत का तिरंगा फहराया था एवं दादरा नगर हवेली को पुर्तगालियों के कब्जे से मुक्त कराकर भारत सरकार को सौंप दिया था। भारत के तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने गोवा में सशस्त्र हस्तक्षेप करने से साफ इंकार कर दिया था अतः वर्ष 1955 में संघ के स्वयंसेवकों ने श्री जगन्नाथ राव जोशी जी के नेतृत्व में गोवा पहुंच कर गोवा मुक्ति आंदोलन प्रारम्भ किया, जिसके परिणामस्वरूप जगन्नाथ राव जोशी सहित संघ के कई कार्यकताओं को दस वर्ष की सजा सुनाई गई। हालत बिगड़ते देख अंततः भारतीय सैनिकों ने हस्तक्षेप किया और वर्ष 1961 में गोवा को आजादी प्राप्त हुई। इसी प्रकार वर्ष 1962 में भी चीन के साथ भारत के युद्ध के समय संघ के स्वयसेवकों ने भारतीय सेना की भरपूर मदद की थी। संघ के स्वयंसेवक पूरे उत्साह के साथ सेना की मदद के लिए सीमा पर पहुंचे थे।

भारत 2026: आगे ऊबड़-खाबड़ रास्ता

पूनम आई. कौशिश

जैसे ही 2025 इतिहास में एक उथल-पुथल भरे साल के रूप में दर्ज होता है, एक मिली-जुली स्थिति वाला भारत सावधानी भरी उम्मीद के साथ 2026 में कदम रखता है, क्योंकि उसके सामने नई चुनौतियां हैं। फिर भी, बीते साल की दहलीज से उम्मीद मुस्कुराती है, फुसफुसाते हुए कि यह ज्यादा खुशहाल होगा। क्या ऐसा होगा? निरूसंदेह, प्रधानमंत्री मोदी सही हैं। भारत के पास गर्व करने के लिए बहुत कुछ है- ऑपरेशन सिंदूर, महाकुंभ, अयोध्या राम मंदिर में ध्वजारोहण समारोह, पुरुषों की क्रिकेट आई.सी.सी. चौंपियनशिप, महिला क्रिकेट विश्व कप और महिला ब्लाइंड टी20 विश्व कप जीतना, शुक्ला का इंटरनैशनल स्पेस स्टेशन में पहले भारतीय बनना आदि। फिर भी, हम अभूतपूर्व समय में जी रहे हैं क्योंकि 2025 का अंत भयानक लिंचिंग की एक बदसूरत और शर्मनाक घटना के साथ हुआ, जिसमें दूसरों को अलग-थलग करने की भावना सामान्य होती जा रही है। देहरादून में उत्तराखंडियों द्वारा 24 साल के त्रिपुरा के एक एम.बी.ए. छात्र को नफरत भरे अपराध में चाकू मार दिया गया, उसे चीनी, चिंकी, मोमोज, नेपाली कहकर ताना मारा गया। दक्षिण में, ओडिशा और केरल में 20 साल के एक बंगाली और एक 31 साल के छत्तीसगढ़ी प्रवासी मजदूरों को बंगलादेशी कहा गया। उत्तर-पूर्वी लोगों को राजधानी दिल्ली में नस्लवाद का सामना करना पड़ता है। सवाल यह है कि क्या युवा और मजदूर अपने ही देश में बिना किसी डर के और सुरक्षित रूप से घूम नहीं सकते? दुख की बात है कि किसी भी सरकार ने नफरत भरे अपराध या नस्लवाद को मान्यता नहीं दी, पुलिस हमेशा खतरनाक विचारों और ड्ढ्ढषहसक घटनाओं को छिटपुट घटनाएं कहकर टाल देती है लेकिन वे ऐसी नहीं हैं। वे इस जेनोफोबिया और दूसरों को अलग-थलग करने के पैटर्न हैं, जिन पर ध्यान नहीं दिया जाता और जो स्थानीय नहीं, छात्रों-मजदूरों के लिए अक्सर क्रूर रूप से सामने आते हैं। इसके अलावा, राजनीतिक ध्रुवीकरण और प्रतिस्पर्धा के दौर में, पहचान की बहुलता और ओवरलैपिंग के कारण, हम तेजी से अधिक नस्लवादी, जातिवादी और सांप्रदायिक होते जा रहे हैं, जिससे एक परेशान भारत असहिष्णुता के बढ़ते हमले के तहत अपनी आत्मा की तलाश कर रहा है। इससे भी बढ़कर, काफ्काएस्क जैसी दुनिया में, जहां नस्लीय पहचान एक चिपचिपा बोझ है, जिसे सामाजिक माहौल में हटाना मुश्किल है। चौंकाने वाली बात यह है कि क्रिसमस को आर.एस.एस. से जुड़े विहिप-बजरंग दल के कार्यकत्ताओं के शर्मनाक व्यवहार ने खराब कर दिया, जिन्होंने कैरल गाने वालों और क्रिसमस समारोहों में तोडफोड़ की, चर्चों और स्कूलों पर हमला किया, सांता कैप बेचने वाले विक्रेताओं को परेशान किया, बिना किसी डर के धर्म परिवर्तन के आरोप लगाए, केरल, असम, ओडिशा, एम.पी., छत्तीसगढ़, हरियाणा और दिल्ली में दृष्टिबाधित ईसाई महिलाओं पर हमला किया। अफसोस की बात है कि न तो पुलिस ने संज्ञान लिया है और न ही धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने और दुश्मनी को बढ़ावा देने के लिए एफ.आई.आर. दर्ज की गई है या गुंडों को गिरफ्तार किया गया है। यह एक खतरनाक संदेश भेजता है कि जब राजनीतिक संरक्षण मान लिया जाता है तो सार्वजनिक व्यवस्था और संवैधानिक सुरक्षा को बिना किसी कीमत के मोड़ा जा सकता है। कोई बात नहीं, मोदी ने नुकसान की भरपाई के लिए दिल्ली के एक चर्च में मास में भाग लिया। एक मौलिक सवाल उठता है-क्या भारत सांप्रदायिक सद्भाव और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के बारे में बात करने का नैतिक अधिकार रखता है? गहरी समस्या यह है कि पिछले एक दशक में, आत्मनिरीक्षण और सामाजिक सुधार की बजाय, युवाओं के एक बड़े वर्ग को नफरत, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण, झूठा गौरव और दूसरों के प्रति तिरस्कार सिखाया गया है। ये भावनाएं अब सार्वजनिक स्थानों पर खुलेआम व्यक्त की जा रही हैं। पाखंड तब स्पष्ट होता है, जब बंगलादेश में हिंदुओं को भीड़ द्वारा जलाने पर गुस्सा व्यक्त करने वाले वही लोग हैं जो भारत के भीतर हत्याओं को सही ठहराते हैं या भीड़ द्वारा पीट-पीटकर की गई हत्याओं का जश्न मनाते हैं। अल्पसंख्यकों और हाशिए पर पड़े लोगों के खिलाफ ड्ढ्ढषहसा को अंदरूनी मामले कहकर नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अगर यही तर्क लगातार लागू किया जाए, तो भारत को दुनिया में कहीं भी मानवाधिकारों के उल्लंघन पर टिप्पणी करने का कोई अधिकार नहीं होगा। इस आक्रोश के बीच, आम आदमी रोटी, कपड़ा और मकान के लिए संघर्ष कर रहा है, जबकि बढ़ती हुई नाराज और बेचैन जनता जवाब मांग रही है। सामाजिक मोर्चे पर हालात निराशाजनक हैं। आजादी के 78 साल बाद, शिक्षा, स्वास्थ्य और भोजन पर खरबों खर्च करने के बाद भी, 60 प्रतिशत लोग भूखे, अनपढ़, अकुशल और बुनियादी चिकित्सा देखभाल से वंचित हैं, सरकारी आंकड़ों की तो बात ही छोडिए। दुख की बात है कि किसी के पास भी आम आदमी की सिस्टम से बढ़ती निराशा के लिए समय नहीं है, जो गुस्से में फूट पड़ती है। किसी भी मोहल्ले, जिले या राज्य में चले जाएं, कहानी दुखद रूप से वही है। नतीजतन, ज्यादा से ज्यादा लोग कानून अपने हाथ में ले रहे हैं, जिसका सबूत बढ़ते दंगे और लूटपाट हैं।

साल 2025 में भारत ने चुनौतियों के बीच नए इतिहास रचे

जनवरी माह की बात करें तो आपको बता दें कि साल की शुरूआत प्रयागराज महाकुंभ से हुई, जिसने भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक शक्ति का विराट प्रदर्शन किया। करोड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने इसे विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन बना दिया। वर्ष 2025 भारत और विश्व के लिए घटनाओं से भरा एक असाधारण कालखंड रहा। यह वर्ष केवल कैलेंडर का एक अध्याय नहीं, बल्कि अनुभवों, उपलब्धियों, त्रासदियों, संघर्षों और उम्मीदों की एक जीवंत कहानी बन गया। शायद ही कोई महीना ऐसा रहा हो जिसने समाज, राजनीति, कूटनीति, विज्ञान, खेल या जनमानस को किसी न किसी रूप में प्रभावित न किया हो। जनवरी माह की बात करें तो आपको बता दें कि साल की शुरूआत प्रयागराज महाकुंभ से हुई, जिसने भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक शक्ति का विराट प्रदर्शन किया। करोड़ों श्रद्धालुओं की उपस्थिति ने इसे विश्व का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन बना दिया। गंगा, यमुना और सरस्वती के संगम पर आस्था का यह महासागर जहां एक ओर भारत की परंपराओं की गहराई दिखाता है, वहीं अत्यधिक भीड़, यातायात अव्यवस्था और कुछ स्थानों पर अफरातफरी ने प्रशासनिक तैयारियों और भीड़ प्रबंधन की चुनौतियों को भी उजागर किया। यह आयोजन आस्था और सुरक्षा के संतुलन की आवश्यकता का प्रतीक बन गया। फरवरी महीना दिल्ली के लिए अत्यंत संवेदनशील और निर्णायक साबित हुआ। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर महाकुंभ यात्रियों की अचानक बढ़ी

भीड़ के कारण मची अफरातफरी में कई निर्दोष लोगों की जान चली गई। इस त्रासदी ने सार्वजनिक परिवहन की तैयारी और आपात प्रबंधन पर गंभीर सवाल खड़े किए। इसी महीने दिल्ली विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी ने ऐतिहासिक जीत दर्ज कर लंबे अंतराल के बाद पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में वापसी की, जबकि आम आदमी पार्टी के राजनीतिक प्रभाव में स्पष्ट गिरावट देखी गई। मार्च अपेक्षाकृत शांत रहा, लेकिन इसी महीने खेल प्रेमियों के बीच एशिया कप को लेकर उत्साह चरम पर पहुंचा। भारत ने दुबई में तीसरी बार आईसीसी चैम्पियन्स ट्रॉफी जीतकर नया इतिहास रच दिया। इसी महीने महाराष्ट्र के नागपुर में हिंसा भड़की जिसमें 30 लोग घायल हो गये और जानमाल का काफी नुकसान हुआ। अप्रैल में जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमला पूरे देश के लिए गहरा आघात साबित हुआ। पर्यटकों को निशाना बनाकर किए गए इस हमले ने यह स्पष्ट कर दिया कि आतंकवाद का खतरा अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। निर्दोष नागरिकों की मौत ने जनमानस को झकझोर दिया और राष्ट्रीय सुरक्षा पर बहस तेज हो गई। मई में भारत ने आतंकवाद के विरुद्ध अपनी बदली हुई रणनीति का परिचय दिया। भारतीय सेना द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के तहत सीमापार आतंकी ठिकानों पर निर्णायक कार्रवाई की गई। इस अभियान ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि भारत अब केवल संयम नहीं, बल्कि ठोस और प्रभावी कार्रवाई की नीति पर आगे बढ़ चुका है। जून दो अलग अलग कारणों से इतिहास में दर्ज हुआ। एक ओर यह महीना नागरिक उड्डयन के लिए अत्यंत दुखद साबित हुआ जब अहमदाबाद से उड़ान भरते ही एक यात्री विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे ने सैंकड़ों परिवारों को गहरे शोक में डुबो दिया और विमान सुरक्षा, तकनीकी निगरानी तथा निजी एयरलाइनों की जवाबदेही पर राष्ट्रीय बहस छेड़ दी। दूसरी ओर, इसी महीने भारत ने विज्ञान और अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक स्वर्णिम अध्याय जोड़ा। भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला जून में एक्सिओम चार मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे। वे अंतरिक्ष स्टेशन तक पहुंचने वाले पहले भारतीय और अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय बने। उन्होंने स्टेम सेल अनुसंधान, अंतरिक्ष कृषि जैसे प्रयोग किए, जो भारत के गगनयान कार्यक्रम के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध होंगे। जुलाई महीना खेल और विज्ञान दोनों के लिए यादगार रहा। खेल जगत में भारत ने एशिया कप के फाइनल में पाकिस्तान को हराकर अपना नौवां खिताब जीता। यह पांच विकेट की जीत आंकड़ों से कहीं आगे थी। भारत पाकिस्तान क्रिकेट मुकाबला केवल खेल नहीं, बल्कि भावनाओं का रंगमंच बन गया। युवा खिलाड़ी अभिषेक शर्मा की सराहना हुई, वहीं अनुभवी खिलाड़ियों ने एक बार फिर अपनी उपयोगिता सिद्ध की। इस जीत ने देश भर में उत्सव का माहौल बना दिया।

सिर्फ फसलों का नहीं, नस्लें बचाने का मसला

डा. अमृत सागर मित्तल

पवन गुरु, पानी पिता, माता धरत महत-गुरु नानक देव जी के ये कालजयी शब्द हमें प्रकृति के महत्व से जोड़ते हैं। हमारा राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् भी भारत को बहती नदियों और हरी-भरी फसलों से लहलहाते खेतों के देश के रूप में नमन के लिए प्रेरित करता है। विडंबना यह है कि जब देश वंदे मातरम् की 150वीं वर्षगांठ मना रहा है, तो वहीं दूसरी ओर हमारे पैरों तले जमीन एक बेहद भयावह कहानी बयां कर रही है। जो मिट्टी कभी देश की खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण समृद्धि की आधारशिला थी, वह आज थकी है, खुराक के नाम पर खतरनाक रसायनिक खाद की बेतहाशा खपत से धरती का सीना छलनी है। यह सच्चाई भारत की पहली हरित क्रांति के केंद्र रहे पंजाब में साफ दिखाई देती है। सड़कों, गगनचुंबी इमारतों, कारखानों और रोजगार की दौड़ एक हद तक जरूरी है, पर इस दौड़ की होड़ में हम एक बुनियादी सच भूल गए। प्रदूषित गैस चौंबर से ढका नील-गगन, जहरीला जल-थल फसलों, इंसानों, पशु-पक्षियों व सूक्ष्म जीवों के जीवन से खिलवाड़ है। जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण अब चेतावनियां नहीं, बल्कि जहरीले भूजल, गिरती कृषि उत्पादकता और बढ़ते रोगों के रूप में हमारी रोजमर्रा की सच्चाई बन चुके हैं। स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार आज हमारी ही नीतिगत सुस्ती की परीक्षा ले रहा है। केंद्रीय भूजल बोर्ड की 2025 की रिपोर्ट का निष्कर्ष बेहद चिंताजनक हैं। पंजाब देश के सबसे अधिक प्रभावित राज्य के तौर पर सामने आया है। मानसून के बाद लिए गए पानी के नमूनों में से 62.5 प्रतिशत में यूरेनियम की मात्रा निर्धारित सीमा 30 पी.पी.बी. (पाट्र्स प्रति बिलियन) से अधिक पाई गई, जबकि 2024 में 32.6 प्रतिशत नमूनों में यूरेनियम की मात्रा अधिक थी। एक ही वर्ष में जहरीले पानी के नमूनों में 91.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी चौंकाने वाली है। 23 में से 16 जिले प्रदूषित श्रेणी में हैं, संगरूर और बठिंडा के जल में यूरेनियम का स्तर 200 पी.पी.बी. से भी अधिक दर्ज किया गया। यह केवल पर्यावरण की समस्या नहीं, बल्कि जन-स्वास्थ्य आपातकाल है। यूरेनियम किडनी रोग और कैंसर से जुड़ा है। नाइट्रेट और फ्लोराइड की अधिकता से ब्लू बेबी सिंड्रोम और हड्डियों की बीमारियां बढने का खतरा है। पानी का खारापन और सोडियम कार्बोनेट उपजाऊ जमीन को बंजर बना रहे हैं। रासायनिक खादों का अंधाधुंध इस्तेमाल एक बड़े संकट का संकेत है। पंजाब में फर्टलाइजर्स की खपत 247.61 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर, राष्ट्रीय औसत से लगभग दोगुनी है। कीटनाशकों की 77 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर खपत से पंजाब के किसान देश के सबसे बड़े खपतकारों में शामिल हैं। जो रसायनिक खादें कभी भरपूर पैदावार लाती थीं, आज मिट्टी की जैविक कार्बन घटा रही हैं, सूक्ष्मजीवों को नष्ट कर रही हैं, खाद्य श्रृंखला को प्रदूषित कर रही हैं। फर्टलाइजर्स सबसिडी का बोझ 2 लाख करोड़ रुपए सालाना से अधिक है। जहरीले हवा-पानी के बीच विकसित भारत की नींव बीमार मिट्टी पर नहीं टिक सकती। बठिंडा, मानसा और लुधियाना जैसे जिलों में 60 प्रतिशत मिट्टी के नमूनों में जहरीले कीटनाशक अवशेष खेतों तक सीमित नहीं, बल्कि पानी और भोजन के जरिए शरीर में प्रवेश कर रोग-प्रतिरोधक क्षमता कमजोर कर रहे हैं। आने वाली नस्लों के खून में हम जहर पहले से ही घोल रहे हैं। भारत की कीटनाशक नियंत्रण प्रणाली पुराने दौर में अटकी है। 1968 का कीटनाशक एक्ट और 1971 के नियम वर्तमान समय के मुताबिक नहीं हैं। 2020 के कीटनाशक प्रबंधन विधेयक में भी किसान सुरक्षा, स्पष्ट लेबड्ढ्ढषलग मानक, शिकायत निवारण व्यवस्था और छोटे किसानों के लिए अनिवार्य सुरक्षा उपकरण जैसे अहम मसले छूट गए। किसानों में जागरूकता व ट्रेड्ढ्ढषनग के हालात भी ड्ढ्ढषचताजनक हैं। 15 करोड़ से अधिक किसानों वाले देश में बीते 3 दशकों में 6 लाख से भी कम किसानों को कीट प्रबंधन की ट्रेड्ढ्ढषनग मिली है, जबकि यह सिर्फ फसलों का नहीं, नस्लें बचाने का मसला है। भविष्य की खेती को जांच-आधारित, जैव-विज्ञान पर केंद्रित व डिजिटल रूप से सशक्त करना होना होगा। सॉयल हैल्थ कार्ड स्कीम ने साबित किया है कि आंकड़ों पर आधारित पोषक तत्व प्रबंधन को कारगर ढंग से लागू करना जरूरी है। पंजाब को एक डिजिटल सॉयल हैल्थ मिशन की जरूरत है, जो सैटेलाइट चित्रों, आर्टफिशियल इंटैलीजैंस (ए.आई.) एनालिसिस, मौसम आधारित मॉडलों और सॉयल सैंसिटिविटी को जोड़कर हर खेत-स्तर पर सलाह दे सके। किसान उत्पादक संगठनों, ग्रामीण युवाओं और महिला स्वयं सहायता समूहों द्वारा संचालित सॉयल टैस्ट लैब्स में मिट्टी की नियमित जांच जरूरी है। दशकों की रासायनिक खेती ने मिट्टी में उन सूक्ष्मजीवों के नैटवर्क को तोड़ दिया है, जो पोषक तत्व चक्र, नमी संरक्षण और फसलों की सहनशीलता के लिए बहुत उपयोगी हैं।

क्या हुआ विश्व चैंपियन डेमियन मार्टिन को ऑस्ट्रेलिया का यह दिग्गज गंभीर बीमारी के बाद कोमा में

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज डेमियन मार्टिन गंभीर बीमारी मेनिन्जाइटिस से जूझ रहे हैं और ब्रिस्बेन के अस्पताल में इंड्यूस्ड कोमा में हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया, पूर्व खिलाड़ी और फैंस उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं। शानदार टेस्ट और वनडे करियर वाले मार्टिन ने ऑस्ट्रेलिया को दो वर्ल्ड कप जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के पूर्व स्टार बल्लेबाज डेमियन मार्टिन गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं और इस वक्त ब्रिस्बेन के एक अस्पताल में भर्ती हैं। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 54 वर्षीय मार्टिन को मेनिन्जाइटिस हुआ है, जिसके बाद उनकी हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उन्हें इंड्यूस्ड कोमा (डॉक्टरों की निगरानी में कोमा में) में रखा है। उनकी स्थिति को नाजुक, लेकिन स्थिर बताया जा रहा है। मार्टिन के अचानक बीमार पड़ने की खबर सामने आते ही ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट जगत में चिंता की लहर दौड़ गई।

अभिषेक मल्हान संग सगाई की खबरों पर जिया शंकर ने तोड़ी चुप्पी

मिस्ट्री मैन संग की रिश्ते की पुष्टि

बिग बॉस ओटीटी 2 के रनर अप रहे अभिषेक मल्हान और अभिनेत्री जिया शंकर को लेकर पिछले काफी दिनों से रिलेशनशिप के रूमर्स तेजी से फैल रहे थे। हालांकि अब अभिनेत्री ने इन खबरों का खंडन कर दिया है। टीवी और डिजिटल दुनिया में अक्सर सितारों की निजी जिंदगी सुर्खियों में रहती है, लेकिन इस बार 'बिग बॉस ओटीटी 2' से चर्चित हुईं अभिनेत्री जिया शंकर ने साफ शब्दों में अफवाहों पर विराम लगा दिया है। बीते कुछ दिनों से सोशल मीडिया और एंटरटेनमेंट पोर्टल्स पर यह चर्चा जोरों पर थी कि जिया शंकर और यूट्यूबर और बिग बॉस ओटीटी 2 के रनर-अप अभिषेक मल्हान उर्फ फुकरा इंसान सगाई करने वाले हैं। अब खुद जिया ने इन खबरों को पूरी तरह खारिज कर दिया है। जिया शंकर ने तस्वीर की शेयर जिया शंकर ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए इशारों-इशारों में नहीं, बल्कि सीधे तौर पर यह साफ किया कि वह न तो अभिषेक मल्हान को डेट कर रही हैं और न ही उनसे सगाई की कोई बात है। उन्होंने एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह एक अनजान शख्स के साथ नजर आईं। तस्वीर में वह शख्स जिया के गाल पर किस करता दिख रहा है, लेकिन जिया ने उसकी पहचान सार्वजनिक नहीं की। इसके साथ उन्होंने लिखा कि झूठी अफवाहों को साल 2025 में ही छोड़ देना चाहिए, जिससे यह साफ हो गया कि वह बीते रिश्तों और बेबुनियाद चचाओं को पीछे छोड़ चुकी हैं। बिग बॉस ओटीटी 2 से ही जुड़ा नाम दरअसल, जिया और अभिषेक के नाम को जोड़ने की शुरूआत बिग बॉस ओटीटी 2 के दौरान हुई थी। शो में दोनों की बॉन्डिंग को दर्शकों ने काफी पसंद किया और फैंस ने उन्हें एक जोड़ी के रूप में देखना शुरू कर दिया। शो खत्म होने के बाद दोनों का एक म्यूजिक वीडियो में साथ आना भी चचाओं को और हवा देने लगा।

विजय देवरकोंडा की 2026 में दुल्हन बनेंगी रश्मिका मंदाना? तय हुई शादी की तारीख

साउथ सिनेमा से जुड़ी एक बड़ी और दिलों की धड़कनें बढ़ा देने वाली खबर सामने आ रही है। लंबे समय से रिलेशनशिप को लेकर चर्चा में रहे विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना जल्द ही शादी के बंधन में बंध सकते हैं। भले

ही दोनों ने अब तक अपने रिश्ते पर खुलकर बात न की हो, लेकिन रिपोर्ट्स के मुताबिक कपल ने शादी की तारीख, वेन्यू और थीम तक फाइनल कर ली है। रिपोर्ट के अनुसार, विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना साल 2026 में शादी करने की तैयारी कर रहे हैं। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि दोनों की शादी 26 फरवरी 2026 को राजस्थान के खूबसूरत शहर उदयपुर में हो सकती है। यह वेडिंग एक भव्य हेरिटेज पैलेस में आयोजित की जाएगी, जहां शाही अंदाज और परंपराओं का शानदार संगम देखने को मिलेगा। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि कपल ने उदयपुर की कई ऐतिहासिक प्रॉपर्टीज देखने के बाद एक खास महल को अपनी शादी के लिए फाइनल किया है। एक करीबी सूत्र ने बताया, विजय और रश्मिका ने अपनी शादी के लिए उदयपुर की एक हेरिटेज प्रॉपर्टी चुन ली है। 26 फरवरी को शादी होने की पूरी तैयारी है।हालांकि शादी का अंदाज रॉयल होगा, लेकिन इसका स्वरूप बेहद निजी और इंटीमेट रहने वाला है। कहा जा रहा है कि समारोह में सिर्फ परिवार के सदस्य और बेहद करीबी रिश्तेदार ही शामिल होंगे। फिलहाल यह साफ नहीं है कि शादी के बाद इंडस्ट्री फ्रेंड्स के लिए कोई ग्रैंड रिसेप्शन रखा जाएगा या नहीं। गौरतलब है कि इससे पहले अक्टूबर 2025 में दोनों की सीक्रेट सगाई की खबरों ने भी खूब सुर्खियां बटोरी थीं। बताया गया था कि यह सगाई बेहद सादगी से, सिर्फ परिवार की मौजूदगी में हुई थी। हालांकि विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना में से किसी ने भी अब तक न तो अपने रिश्ते, न सगाई और न ही शादी को लेकर आधिकारिक पुष्टि की है। इसके बावजूद फैंस दोनों को दूल्हा-दुल्हन के रूप में देखने के लिए बेहद उत्साहित हैं।

अक्षय खन्ना ने तोड़ा था इस डायरेक्टर की फिल्म का कॉन्ट्रेक्ट, छह महीने तक बैठाया था खाली

अब निकाली धुरंधर एक्टर पर भड़ास

एक्टर अक्षय खन्ना जहां एक तरफ धुरंधर की सफलता को एंजॉय कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर वह दृश्यम 3 के विवाद को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। कुछ दिनों पहले दृश्यम 3 के प्रोड्यूसर और डायरेक्टर ने अक्षय खन्ना के फिल्म के ऑफर को ठुकराने के फैसले की आलोचना की थी। वहीं, अब दृश्यम 3 के विवाद के बीच फिल्म सेक्शन 375 के राइटर मनीष गुप्ता ने भी अक्षय खन्ना पर अपनी भड़ास निकाली है। मनीष ने मीडिया के साथ बातचीत में बताया, 2017 में अक्षय ने मेरी फिल्म सेक्शन 375 साइन की थी, जिसमें मैं निर्देशक-लेखक और कुमार मंगत निमार्ता थे। उनकी फीस 2 करोड़ रुपये तय की गई थी। उन्होंने 21 लाख रुपये एडवांस लिए और हमारे साथ कॉन्ट्रैक्ट साइन किया, लेकिन अचानक उन्होंने अपनी तय तारीखें दूसरी फिल्म द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर को दे दीं और उस फिल्म की शूटिंग के लिए लंदन चले गए, जिससे मैं और मेरी टीम छह महीने तक खाली बैठे रहे !मनीष ने आगे कहा,फिर, उस फिल्म की शूटिंग पूरी होने के बाद, अक्षय वापस आए और कॉन्ट्रेक्ट में तय किए गए 2 करोड़ रुपये के बजाय 3.25 करोड़ रुपये की मांग करने लगे। इस तरह उन्होंने कॉन्ट्रेक्ट का उल्लंघन किया। अक्षय की ये अनुचित मांगें यहीं खत्म नहीं हुईं। वे फिल्म पर पूरा कंट्रोल रखना चाहते थे और सब कुछ अपने तरीके से करवाना चाहते थे, लेकिन मैं ऐसा निर्देशक नहीं हूं जो किसी भी एक्टर की मनमानी के आगे झुक जाए। मैंने अक्षय के इस अनुचित व्यवहार का विरोध किया. लेकिन दुख की बात है कि बॉलीवुड में ज्यादातर निर्देशक अभिनेताओं की हर इच्छा के आगे झुक जाते हैं।मनीष ने बताया, मेरे जैसे तानाशाह निर्देशक से आदेश लेना अक्षय के अहंकार को ठेस पहुंचा रहा था, इसलिए उसने निमार्ता कुमार मंगत पर दबाव डालना शुरू कर दिया कि मुझे फिल्म के निर्देशक पद से हटा दिया जाए और फिल्म का पूरा कंट्रोल उन्हें दे दिया जाए। निमार्ता कुमार मंगत ने एक्टर के अनुचित व्यवहार पर लगाम लगाने के बजाय मुझे बलि का बकरा बना दिया और मुझे निर्देशक पद से हटा दिया। साथ ही मेरी पूरी लिखी हुई स्क्रिप्ट और प्री-प्रोडक्शन पर तीन साल की मेहनत से तैयार हार्ड ड्राइव को भी जब्त कर लिया। अब कुमार मंगत अक्षय के खराब बर्ताव का खामियाजा भुगत रहे हैं। मैंने अक्षय को चेतावनी दी थी कि मैं उसे अदालत में घसीटूंगा और निमार्ता कुमार मंगत को दो कानूनी नोटिस भेजे थे। मेरे वकील, नाइक नाइक एंड कंपनी, बॉम्बे हाई कोर्ट में उन दोनों के खिलाफ मुकदमा दायर कर रहे थे, लेकिन कुमार मंगत ने तुरंत मेरे साथ अदालत के बाहर समझौता कर लिया। आज विडंबना यह है कि जब निमार्ता कुमार मंगत अजय देवगन स्टारर फिल्म दृश्यम 3 में अक्षय के अनथेकिल बिहेवियर का खामियाजा भुगत रहे हैं. तो मंगत ने अक्षय के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की है।

दूसरे बेटे की एआई तस्वीरें वायरल होने पर भड़कीं कॉमेडियन भारती सिंह, कहा-उसका चेहरा तभी दिखेगा, जब हम चाहेंगे

कॉमेडियन और टीवी होस्ट भारती सिंह और उनके पति हर्ष लिम्बाचिया इसी महीने दूसरे बच्चे के पेरेंट्स बने हैं। भारती ने 19 दिसंबर 2025 को अपने दूसरे बेटे को जन्म दिया है, जिसका निकनेम उन्होंने काजू रखा है। हालांकि, बेबी के जन्म के बाद अब तक भारती और हर्ष ने उसका चेहरा रिवील नहीं किया है। इसी बीच सोशल मीडिया पर काजू की एआई (एआई) तस्वीरें तेजी से वायरल होने लगीं, जिस पर हाल ही में भारती सिंह ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। दरअसल, हाल ही में सोशल मीडिया पर काजू की कुछ फोटोज वायरल हुई, जिन्हें लेकर दावा किया गया कि ये भारती और हर्ष के नवजात बेटे की तस्वीरें हैं। जब मामला ज्यादा बढ़ा तो भारती ने खुद सामने आकर इन वायरल तस्वीरों की सच्चाई बताई। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि सोशल मीडिया पर घूम रही ये सभी तस्वीरें एआई (एआई) की मदद से बनाई गई हैं और इनका उनके बेटे से कोई लेना-देना नहीं है। भारती ने अपने व्लॉग के जरिए बताया कि उन्होंने और हर्ष ने जानबूझकर अभी तक बेटे का चेहरा पूरी तरह से कवर रखा है। वे जब भी कोई तस्वीर शेयर करते हैं तो उसमें कार्टून, इमोजी या किसी और तरीके से बच्चे का चेहरा छिपा रहता है। कुछ लोग एआई के जरिए अलग-अलग चेहरे बनाकर उन्हें ईमेल और इंस्टाग्राम पर भेज रहे हैं और दावा कर रहे हैं कि यही काजू की असली तस्वीरें हैं, जो पूरी तरह गलत है। उन्होंने साफ किया, जितनी भी एआई से बनी फोटो लोग बना रहे हैं, वो सब फेक हैं। असली काजू हमारे पास सुरक्षित हैं। उनका चेहरा दुनिया को तभी दिखेगा, जब हम चाहेंगे। भारती ने फैंस से धैर्य रखने की अपील भी की और कहा कि हर माता-पिता को अपने बच्चे की प्राइवेसी तय करने का हक होता है। बता दें, भारती सिंह और हर्ष लिम्बाचिया ने साल 2017 में शादी रचाी थी और इसके 5 साल बाद पहले बेटे गोला का स्वागत किया था। वहीं, अब गोला के तीन साल यह कपल दूसरे बच्चे यानी दूसरे बेटे का पेरेंट्स बन गया है।

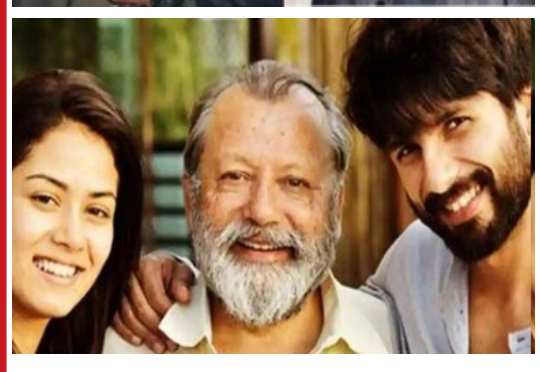

विपुल अमृतलाल शाह की द केरल स्टोरी 2 की शूटिंग हुई पूरी

विपुल अमृतलाल शाह की फिल्म द केरला स्टोरी के रिलीज ने काफी हलचल मचा दी थी। अपनी प्रभावशाली कहानी के कारण फिल्म ने दर्शकों पर गहरा असर छोड़ा और बेस्ट डायरेक्शन और बेस्ट सिनेमैटोग्राफी के लिए नेशनल अवॉर्ड भी जीते। ताजा अपडेट में बताया गया है कि विपुल अमृतलाल शाह की प्रोडक्शन में बनी द केरला स्टोरी 2 को बहुत कड़ी सुरक्षा में शूट किया गया है और यह 27 फरवरी 2026 को रिलीज होने वाली है। द केरला स्टोरी का सिक्वल,

जो कि केरल में सेट है, पहले ही शूट हो चुका है। खबरों के मुताबिक, इसमें कहानी पहले से भी गहरी और गंभीर होगी। द केरला स्टोरी 2 के कास्ट और डायरेक्टर की जानकारी अभी गुप्त रखी जा रही है। इस बारे में इंडस्ट्री के एक इंडिपेंडेंट सोर्स ने बताया है कि, द केरला स्टोरी 2 को बेहद कंट्रोल और सुरक्षित तरीके से शूट किया गया है। प्रोड्यूसर विपुल अमृतलाल शाह नहीं चाहते थे कि शूटिंग के दौरान कोई परेशानी सामने आए।सोर्स ने आगे बताया, शूटिंग के दौरान कास्ट और क्रू को अपने फोन का इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं थी, ताकि सेट से कोई जानकारी लीक न हो सके। सोर्स ने यह भी बताया कि एक एग्जीबिटर्स के अनुसार, फिल्म की रिलीज डेट 27 फरवरी 2026 तय कर दी गई है। ये वाकई में मजेदार खबर है, द केरला स्टोरी 2 अब आधिकारिक तौर पर बन रही है। इसके अलावा, द केरला स्टोरी बहुत हिट रही थी। फिल्म ने पहले ही दिन 8 करोड़ से ज्यादा कमाई की। अपनी दूसरी वीकेंड खत्म होने से पहले ही इसने 100 करोड़ का आंकड़ा पार कर लिया और दूसरे रविवार को सबसे ज्यादा पैसे कमाए।

पंकज कपूर से तलाक का नीलिमा अजीम को नहीं है कोई पछतावा

बोलीं-मेरे पास शाहिद और ईशान है

बॉलीवुड की फेमस एक्ट्रेस नीलिमा अजीम की शादी साल 1979 में एक्टर पंकज कपूर संग हुई थी। शादी के कुछ सालों

बाद दोनों ने बेटे शाहिद कपूर का स्वागत किया, जो आज बॉलीवुड का बड़ा हीरो है। हालांकि, नीलिमा और पंकज का रिश्ता ज्यादा देर तक टिक नहीं पाया और साल 1984 में दोनों का तलाक हो गया। वहीं, हाल ही में नीलिमा ने पंकज कपूर संग अपने तलाक के बारे में खुलकर बात की है। हाल ही में विक्की लालवानी के साथ बातचीत में नीलिमा अजीम ने कहा, मुझे लगता है कि दुर्भाग्यवश, यही होना था। कोई भी अलग होने के लिए शादी नहीं करता, है ना? वे हमेशा साथ रहने के लिए शादी करते हैं३ लेकिन मुझे लगता है कि शायद हम दोनों बहुत अलग-अलग इंसान थे और साथ ही, शादी सिर्फ इस बारे में नहीं होती कि किसी ने क्या किया या क्या हुआ। मुझे लगता है कि यह इस बारे में है कि आप अपने मन में कहां हैं और आप अपने जीवन में किस पड़ाव पर हैं। और अगर ये भावनाएं एक जैसी नहीं हैं, तो मुझे लगता है कि यह रिश्ता ठीक नहीं बैठता। तलाक की वजह को लेकर एक्ट्रेस ने कहा, मुझे लगता है कि हमारे बीच बहुत बड़ी दूरी थी, क्योंकि वह मुंबई में थे और मैं दिल्ली में। और मैं तब भी वही लड़की थी जो अपने माता-पिता के साथ दिल्ली में रहती थी, क्योंकि यही स्थिति थी। और शायद उस समय उनके लिए मुझे छोड़कर मुंबई जाना सही नहीं था और बाद में शाहिद के बिना।हालांकि, नीलिमा ने बताया कि पंकज ने उनसे उनके इस कदम के बारे में पूछा था। उन्होंने कहा, मैंने कहा, जाओ, तुम बेहद टैलेंटेड हो३ वह यहां अपनी जगह बनाने की कोशिश कर रहे थे और मैं दिल्ली में थी। इसलिए मुझे लगता है कि सालों की दूरी ने हमें अलग-अलग रास्ते अपनाने पर मजबूर कर दिया। आखिर में एक्ट्रेस ने कहा कि आर्थिक दृष्टि से उन सभी के लिए एक साथ मुंबई जाना पॉसिबल नहीं था। मैं बहुत छोटी थी, इसलिए मुझे लगता है कि इतनी कम उम्र में यह सब संभालना मेरे लिए बहुत मुश्किल था। अगर मैं हर पहलू से देखूं, तो मैं हमेशा यही कहती हूं, पता नहीं कितने लोग इसे समझते हैं, लेकिन मुझे कोई पछतावा नहीं है क्योंकि मेरे पास शाहिद हैं। और यही बात ईशान के लिए भी लागू होती है। इसलिए मुझे कोई पछतावा नहीं है।

दिल्ली कैपिटल्स ने शुरू की महिला प्रीमियर लीग की तैयारी, ली और काप ने ट्रेनिंग सत्र में लिया हिस्सा

नई दिल्ली। महिला प्रीमियर लीग को शुरू होने में अब ज्यादा समय शेष नहीं रह गया है। इसी कड़ी में दिल्ली कैपिटल्स ने भी तैयारी शुरू कर दी है। दिल्ली कैपिटल्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के आगामी सीजन की तैयारियां शुरू कर दी है। दिल्ली ने सीजन की शुरूआत से पहले ट्रेनिंग सत्र में हिस्सा लिया। इसमें दक्षिण अफ्रीका की अनुभवी ऑलराउंडर मरिजाने काप और उनकी हमवतन लिजेल ली ने भी हिस्सा लिया। भारतीय खिलाड़ी तानिया भाटिया, निकी प्रसाद, मीनू मणि, ममता मडीवाला, दीया यादव और नंदनी शर्मा भी शिविर में शामिल हो गई हैं। तीन बार फाइनल में पहुंची दिल्ली कैपिटल्स अपने डब्ल्यूपीएल 2026 अभियान की शुरूआत 10 जनवरी को नवी मुंबई में मुंबई इंडियंस के खिलाफ करेगी। दिल्ली कैपिटल्स की टीम मुख्य कोच जोनाथन बैटी की देखरेख में ट्रेनिंग कर रही है और मंगलवार को श्रीलंका के खिलाफ सीरीज खत्म होने के बाद भारतीय टीम की अन्य खिलाड़ी भी इसमें शामिल होंगी। सत्र पूर्व शिविर के बारे में बात करते हुए बैटी ने कहा, हमारी टीम में कुछ नए चेहरे हैं इसलिए टीम का घुलना मिलना अच्छा होगा। गोवा का मौसम तैयारियों के लिए एकदम सही है।

ड्रोन और मिसाइल कारोबार पर अमेरिका की सख्ती

ईरान-वेनेजुएला के 10 लोगों और कंपनियों पर प्रतिबंध

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका ने ईरान के ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम से जुड़े आरोपों में ईरान और वेनेजुएला के 10 लोगों व कंपनियों पर नए प्रतिबंध लगाए। ट्रंप प्रशासन ने इसे मध्य पूर्व में अमेरिकी सुरक्षा के लिए खतरा बताया। अमेरिका ने ईरान के ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम से जुड़े कथित नेटवर्क पर बड़ा कदम उठाते हुए ईरान और वेनेजुएला के 10 लोगों और कंपनियों पर नए प्रतिबंध लगा दिए हैं। ट्रंप प्रशासन का कहना है कि यह गतिविधियां अमेरिका और उसके मध्य पूर्वी सहयोगियों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं। अमेरिकी ट्रेजरी डिपार्टमेंट के मुताबिक, ये प्रतिबंध संयुक्त राष्ट्र द्वारा ईरान पर दोबारा लगाए गए प्रतिबंधों को मजबूती देने के उद्देश्य से लगाए गए हैं। इनका मकसद ईरान के परमाणु और सैन्य कार्यक्रमों पर आर्थिक दबाव बढ़ाना है। हालांकि ईरान लगातार यह दावा करता रहा है कि उसका परमाणु कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण है। नए प्रतिबंधों की सूची में वेनेजुएला की एक कंपनी और उसके चेयरमैन का नाम शामिल है, जिन पर ईरान से ड्रोन खरीदने का आरोप है। इसके अलावा तीन ईरानी नागरिकों पर बैलिस्टिक मिसाइलों में इस्तेमाल होने वाले रसायनों की खरीद से जुड़े होने का आरोप लगाया गया है। साथ ही ईरान स्थित कुछ व्यक्ति और कंपनियां भी निशाने पर हैं, जिनका संबंध रयान फैन ग्रुप से बताया गया है। इस होल्डिंग कंपनी पर पहले ही अमेरिका प्रतिबंध लगा चुका है। गौरतलब है कि फरवरी में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के खिलाफ मैक्सिमम प्रेशर यानी अधिकतम दबाव अभियान दोबारा शुरू किया था। इसका उद्देश्य ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से रोकना बताया गया। इसी कड़ी में इस साल गर्मियों में अमेरिका ने इजरायल-ईरान के बीच खुले संघर्ष के बाद ईरान की तीन अहम यूरेनियम संवर्धन सुविधाओं पर हमले भी किए थे। इस्त्राइली पीएम से बातचीत के दौरान दी थी चेतावनी इस हफ्ते ट्रंप ने इस्त्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फ्लोरिडा में बातचीत के दौरान ईरान को चेतावनी दी कि यदि उसने अपने परमाणु कार्यक्रम को फिर से खड़ा करने की कोशिश की, तो अमेरिका आगे भी सैन्य कार्रवाई कर सकता है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग के आतंकवाद और वित्तीय खुफिया मामलों के अंडरसेक्रेटरी जॉन के. हर्ली ने कहा ईरान और वेनेजुएला दुनिया भर में घातक हथियारों के प्रसार के लिए जिम्मेदार हैं। हम उन सभी लोगों और संस्थाओं के खिलाफ तेज कार्रवाई जारी रखेंगे जो ईरान के सैन्य-औद्योगिक तंत्र को अमेरिकी वित्तीय प्रणाली तक पहुंच दिलाते हैं। वहीं अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगॉट ने कहा कि ईरान लगातार संयुक्त राष्ट्र के प्रतिबंधों का उल्लंघन कर रहा है।

सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान-ईरान-तुर्किये मालगाड़ी सेवा फिर टली

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान-ईरान-तुर्किये मालगाड़ी सेवा की बहाली एक बार फिर टल गई है। यह रेल सेवा बलूचिस्तान जैसे अशांत क्षेत्रों से होकर गुजरती है, जहां बढ़ती हिंसा और आतंकवादी हमलों के चलते रेलवे परिचालन बार-बार बाधित हो रहा है। क्षेत्रीय व्यापार को बढ़ावा देने वाली पाकिस्तान-ईरान-तुर्किये मालगाड़ी सेवा की बहाली एक बार फिर सुरक्षा मंजूरी न मिलने के कारण टल गई है। पाकिस्तान रेलवे के शीर्ष अधिकारियों के अनुसार, बुधवार से शुरू होने वाली इस सेवा को सुरक्षा संबंधी चिंताओं के चलते फिलहाल रोक दिया गया है। अधिकारी ने क्या कहा? साल 2009 में परीक्षण के साथ शुरू की गई यह मालगाड़ी सेवा तेहरान जाते समय बलूचिस्तान प्रांत से होकर गुजरती है। तब से लेकर अब तक, कई बार इसका परिचालन कभी शुरू हुआ तो कभी रोक दिया गया। इसको लेकर कराची क्षेत्र में पाकिस्तान रेलवे के मंडल अधीक्षक, महमूद उर रहमान लखो ने मीडिया को बताया कि संबंधित अधिकारियों से सुरक्षा अनुमति न मिलने के कारण बुधवार को यह सेवा

बहाल नहीं हो सकी। बलूचिस्तान में विद्रोही समूहों के हिंसक आतंकवादी हमलों के कारण स्थिति तनावपूर्ण है। पिछले साल से इन हमलों में वृद्धि हुई है और इस साल क्वेटा मार्ग पर अन्य प्रांतों की यात्री गाड़ियों को विद्रोहियों ने नियमित रूप से निशाना बनाया है। सुरक्षा अनुमति में देरी के कारण रेलवे अधिकारियों को जाफर एक्सप्रेस जैसी यात्री गाड़ी सेवाओं को भी स्थगित करना पड़ा है। रेल मंत्री ने क्या कहा? इसको लेकर पाकिस्तानी रेल मंत्री हनीफ अब्बासी और इस्लामाबाद स्थित ईरानी राजदूत रजा अमीरी ने हाल ही में घोषणा की थी कि मालगाड़ी सेवा 31 दिसंबर से फिर से शुरू होगी। बता दें कि अतीत में इस सेवा को परिचालन, सीमा शुल्क, बुनियादी ढांचे और सुरक्षा संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ा है। इसे 2011 में रोका गया था 2021 में फिर शुरू किया गया, लेकिन 2022 में इसे पुनः स्थगित कर दिया गया। हिंसा में हुई है वृद्धि एक शोध संस्थान 'सेंटर फॉर रिसर्च एंड सिक्योरिटी स्टडीज' (उम्र) की 3 दिसंबर की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान में 2025 के पहले 11 महीनों के दौरान हिंसा में 25 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी गई।

इस्त्राइल ने नए साल पर गाजा के लिए बनाई योजना

न्यिम तोड़ने वाले कई संगठनों पर चलेगा चाबुक

यरुशलम (एजेंसी)। इस्त्राइल ने नए पंजीकरण नियमों का पालन न करने पर गाजा में 30 से अधिक मानवीय संगठनों की गतिविधियां निलंबित करने का फैसला किया है। डॉक्टर विदाउट बॉर्डर्स समेत कई एनजीओ ने इसे आम नागरिकों के लिए घातक बताया। इस्त्राइल ने गाजा पट्टी में काम कर रहे कई अंतरराष्ट्रीय मानवीय संगठनों के खिलाफ बड़ा कदम उठाते हुए घोषणा की है कि वर्ष 2026 से इन संगठनों की गतिविधियां रोक दी जाएंगी। इस्त्राइली सरकार का कहना है कि नए पंजीकरण नियमों का पालन न करने के कारण यह फैसला लिया गया है। इस फैसले की जद में डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स और सीएआरई जैसे नामी संगठन भी शामिल हैं। इस्त्राइल के अनुसार नए नियमों का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि हमास या अन्य उग्रवादी संगठन मानवीय सहायता के नाम पर किसी तरह की घुसपैठ न कर सकें। हालांकि सहायता एजेंसियों का कहना है कि ये नियम मनमाने हैं और इनसे गाजा की उस आम आबादी को भारी नुकसान होगा, जो पहले से ही गंभीर मानवीय संकट का सामना कर रही है। नए नियमों में कुछ वैचारिक शर्तें भी जोड़ी इस्त्राइल का आरोप है कि युद्ध के दौरान हमास ने सहायता सामग्री का दुरुपयोग किया, लेकिन संयुक्त राष्ट्र और कई अंतरराष्ट्रीय एजेंसियां इस दावे को नकार चुकी हैं। इस साल की

शुरूआत में लागू किए गए नए नियमों के तहत सहायता संगठनों को अपने कर्मचारियों की सूची, फंडिंग और संचालन से जुड़ी विस्तृत जानकारी इस्त्राइली अधिकारियों को देनी होगी। नए नियमों में कुछ वैचारिक शर्तें भी जोड़ी गई हैं। इनमें ऐसे संगठनों को अयोग्य ठहराने का प्रावधान है, जिन्होंने इस्त्राइल के खिलाफ बहिष्कार का समर्थन किया हो, 7 अक्तूबर के हमले को नकारा हो या इस्त्राइली नेताओं और सैनिकों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय अदालतों में चल रहे मामलों का समर्थन किया हो। इस्त्राइल के डायस्पोरा मामलों के मंत्रालय के अनुसार, गाजा में सक्रिय करीब 30 से अधिक संगठन इन शर्तों को पूरा नहीं कर पाए हैं, जो कुल संगठनों का लगभग 15 प्रतिशत हैं। मंत्रालय ने यह भी दावा किया कि डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स ने अपने कुछ कर्मचारियों के कथित तौर पर हमास या इस्लामिक जिहाद से जुड़े होने के आरोपों पर संतोषजनक जवाब नहीं दिया। डायस्पोरा मामलों के मंत्री अमीचाई चिकली ने कहा मानवीय सहायता का स्वागत है, लेकिन आतंकवाद के लिए मानवीय ढांचे के दुरुपयोग को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं डॉक्टर्स विदाउट बॉर्डर्स ने इस्त्राइल के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए कहा कि यह फैसला गाजा में उनके काम पर विनाशकारी असर डालेगा। संगठन के मुताबिक, वह गाजा में करीब 20 प्रतिशत अस्पताल बेड और एक-तिहाई प्रसव सेवाओं का समर्थन करता है। एमएसएफ ने स्पष्ट किया कि वह कभी भी जानबूझकर किसी सशस्त्र गतिविधि में शामिल व्यक्ति को नियुक्त नहीं करता। स्थानीय कर्मचारियों पर बढ़ता बोझ सहायता संगठनों का कहना है कि नाजुक युद्धविराम के महज कुछ महीनों बाद यह फैसला बेहद नुकसानदेह है। नॉर्वेजियन रिफ्यूजी काउंसिल की सलाहकार शाइना लो ने कहा कि गाजा में जरूरतें अब भी बहुत बड़ी हैं, लेकिन जरूरी मदद पहुंचाने से संगठनों को रोका जा रहा है। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय कर्मचारियों की एंट्री बंद होने से सारा बोझ पहले से थके हुए स्थानीय स्टाफ पर पड़ रहा है। कुछ संगठनों ने सुरक्षा कारणों और यूरोपीय डेटा संरक्षण कानूनों का हवाला देते हुए फलस्तीनी कर्मचारियों की सूची देने से इनकार किया।

मुनीर ने भतीजे को बनाया दामाद, बेटी के निकाह में पहुंचे कई शीर्ष सैन्य अफसर और राजनेता

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर ने रावलपिंडी में अपनी बेटी की शादी की। बेटी का विवाह उनके पहले चचेरे भाई अब्दुल रहमान से हुआ। पाकिस्तान के सेना प्रमुख और फील्ड मार्शल असीम मुनीर को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जहां मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि पिछले सप्ताह मुनीर ने अपनी बेटी की शादी की। शादी रावलपिंडी शहर में हुई, जो पाकिस्तानी सेना का बड़ा ठिकाना (गारिसन सिटी) है। मीडिया रिपोर्ट्स में इस बात का भी दावा किया गया है कि उनकी बेटी की शादी उनके पहले चचेरे भाई, अब्दुल रहमान से हुई है। बता दें कि मुनीर

की बेटी की शादी पाकिस्तान में जरूर चर्चा का विषय बना, लेकिन इस बात की जानकारी ज्यादा बड़े स्तर पर नहीं फैली। बताया जा रहा है कि इस शादी समारोह में परिवार के लोग और करीबी रिश्तेदारों के साथ-साथ पाकिस्तानी सेना के कई शीर्ष अफसर और बड़े राजनेता भी पहुंचे। कौन है आसीम मुनीर? लेफ्टिनेंट जनरल मुनीर को पाकिस्तान में एक उत्कृष्ट अधिकारी माना जाता है। लेफ्टिनेंट जनरल मुनीर ने मंगला में ऑफिसर्स ट्रेनिंग स्कूल कार्यक्रम के माध्यम से सैन्य सेवा में प्रवेश किया और उन्हें फ्रंटियर फोर्स रेजिमेंट में नियुक्त किया गया। वह जनरल बाजवा के तब से करीबी सहयोगी रहे हैं, जब से उन्होंने निवर्तमान सेना प्रमुख, जो उस समय कमांडर एक्स कोर थे, के तहत एक ब्रिगेडियर के रूप में फोर्स कमांड उत्तरी क्षेत्रों में सैनिकों की कमान संभाली थी।

बीजिंग में हुई क्वाड देशों के राजदूतों की बैठक, अमेरिकी राजनयिक ने जारी की तस्वीर

बीजिंग (एजेंसी)। चौंकाने वाले तौर पर क्वाड देशों के राजदूतों ने चीन की राजधानी बीजिंग में बैठक की। गौरतलब है कि चीन क्वाड का कड़ा आलोचक रहा है। यह बैठक अमेरिका के चीन स्थित दूतावास में हुई, जिसमें भारतीय राजदूत भी शामिल हुए। क्वाड देशों के राजदूतों ने मंगलवार को चीन की राजधानी बीजिंग में बैठक की। यह बैठक चीन स्थित अमेरिकी दूतावास में हुई, जिसमें चारों क्वाड देशों अमेरिका, भारत, ऑस्ट्रेलिया और जापान के राजदूत शामिल हुए। बैठक के बाद अमेरिकी राजदूत डेविड पर्ड्यू ने सोशल मीडिया पर बैठक की तस्वीर भी जारी की। पोस्ट में उन्होंने लिखा 'क्वाड एक स्वतंत्र और मुक्त हिंद प्रशांत महासागर क्षेत्र को बनाए रखने में एक अच्छी ताकत है।' भारत औ? चीन ने अभी तक नहीं दी प्रतिक्रिया अमेरिकी राजदूत ने लिखा, 'बीजिंग में क्वाड देशों के राजदूतों से मिलकर खुशी हुई। चारों देशों के बीच संबंध स्थिर और मजबूत बने हुए हैं।' इसे लेकर भारतीय दूतावास ने अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। वहीं चीन की तरफ से भी कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। गौरतलब है कि चीन क्वाड का आलोचक है। पूर्व में चीन ने क्वाड बैठकों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि वह देशों द्वारा गुट बनाने, समूह राजनीति में शामिल होने और गुटों के बीच टकराव का विरोध करता है। चीन क्वाड को अपनी सुरक्षा के लिए खतरा मानता है। हालांकि क्वाड देशों ने कई बार स्पष्ट किया है कि क्वाड किसी देश के खिलाफ नहीं है और न ही यह रक्षा समूह है।

ऑपरेशनल ताकत से कूटनीति तक..., भारतीय सेना ने इस साल हासिल कीं ये 10 बड़ी उपलब्धियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2025 अपने अंतिम दिन की ओर बढ़ रहा है और नया साल आने वाला है। इस साल भारतीय सेना ने कई उपलब्धियां हासिल की है। सेना के अधिकारियों ने इस साल की दस उपलब्धियों पर प्रकाश डाला है। आइए उनके बारे में विस्तार से जानते हैं। इन उपलब्धियों में ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया गया है। सेना के अधिकारियों ने बताया कि मई में इस सैन्य अभियान के दौरान सीमा पार आतंकवादियों के नौ शिविरों को तबाह किया गया। इनमें सात भारतीय सेना और दो भारतीय वायुसेना ने नष्ट किए। पाकिस्तान ने ड्रोन से सैन्य और नागरिक लक्ष्यों को निशाना बनाने का

प्रयास किया। लेकिन भारतीय वायु सेना की रक्षा इकाइयों ने सभी खतरों को सफलतापूर्वक निष्क्रिय किया। एलओसी के साथ दर्जनों आतंकवादी लॉन्च पैड भी जमीन से आधारित हथियारों के जरिये नष्ट किए गए। इसके बाद भारतीय सेना के डॉयरेक्टर जनरल मिलिट्री ऑपरेशन (डीजीएमओ) को पाकिस्तानी समकक्ष की ओर से युद्धविराम का अनुरोध किया और दोनों पक्षों में गोलीबारी रोकने का समझौता हुआ। लंबी दूरी की मारक क्षमता और सटीक हमला ब्रहमोस (सेना): एक दिसंबर 2025 को दक्षिण कमान की ब्रहमोस इकाई ने अंडमान-निकोबार कमान के जवानों के साथ मिसाइल का परीक्षण किया। इस परीक्षण से पुष्टि हुई कि मिसाइल तेज गति में भी सही दिशा में चलती है और सटीक निशाने पर पहुंचती है। साल 2025 में ब्रहमोस मिसाइल को और लंबी दूरी और तेज प्रतिक्रिया के लिए तैयार करने के काम पर फोकस किया गया। पिनाका लॉन्ग रेंज गाइडेड रॉकेट (एलआरजीआर): 29 दिसंबर 2025 को एलआरजीआर का सफल परीक्षण किया गया, जिसकी अनुमानित मारक क्षमता करीब 120 किलोमीटर बताई गई। यह परीक्षण लंबी दूरी तक बेहद सटीक हमला करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। साल 2025 में स्वदेशी रॉकेट प्रणाली के विकास को गति मिली और भविष्य में गहरे लक्ष्यों पर हमले के लिए लगभग 300 किलोमीटर रेंज वाले पिनाका संस्करणों पर भी काम शुरू होने की खबरें सामने आईं। विमानन और उच्च-मूल्य वाले उपकरणों का समावेश अपाचे एएच-64ई (आर्मी एविएशन कॉर्प्स): 22 जुलाई 2025 को भारतीय सेना को पहले तीन एएच-64ई अपाचे हेलिकॉप्टर प्राप्त हुए, जबकि बाकी तीन दिसंबर 2025 में डिलीवर किए गए, जिससे लंबे समय से लंबित सेना विमानन समावेशन योजना को आगे बढ़ाया गया। नई इकाइयां और युद्धक्षेत्र की संरचनाएं भैरव बटालियन और अशनी प्लाटून को वर्ष 2025 में चरणबद्ध तरीके से मैदान में उतारा गया। 24 अक्तूबर 2025 को राजस्थान में एक क्षमता प्रदर्शन हुआ। इस दौरान भैरव बटालियन और अशनी प्लाटून जैसी नई इकाइयों का नई तकनीकी प्रणालियों के साथ तालमेल की क्षमता को दिखाया गया, जिससे यह संकेत मिला कि ये योजनाएं अब अवधारणा से निकलकर जमीनी स्तर पर लागू हो चुकी हैं। अक्तूबर 2025 की रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि कम समय-सीमा में 25 भैरव लाइट कमांडो बटालियन को सक्रिय करने और निगरानी व सटीक हमलों के लिए थल सेना में अशनी ड्रोन प्लाटून गठित करने की योजना है।

माली, बुर्किना फासो का यूएस को कड़ा जवाब, दोनों देशों ने भी अमेरिकी नागरिकों की एंट्री पर लगाया प्रतिबंध

बमाको (एजेंसी)। अमेरिकी सरकार ने बीते दिनों कई देशों के नागरिकों पर अमेरिका की यात्रा करने पर रोक लगा दी थी। अब माली और बुर्किना फासो ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए अमेरिकी नागरिकों की उनके देश में एंट्री रोक दी है। अफ्रीकी देशों माली और बुर्किना फासो ने मंगलवार को अमेरिकी नागरिकों को उनके देश में एंट्री पर प्रतिबंध लगा दिया। गौरतलब है कि यह कदम अमेरिका के जवाब में उठाया गया है क्योंकि बीते दिनों अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने इन दोनों देशों को नागरिकों के अमेरिका आने पर प्रतिबंध लगा दिया था। दोनों पश्चिमी अफ्रीकी देशों के विदेश मंत्रियों ने बयान जारी कर इसकी घोषणा की। अमेरिका ने लगाया था यात्रा प्रतिबंध बीती 16 दिसंबर को ही अमेरिका की ट्रंप सरकार ने पहले से लागू यात्रा प्रतिबंधों को 20 और देशों तक बढ़ा दिया था, जिसमें माली, बुर्किना

फासो और नाइजर जैसे देशों को भी शामिल किया गया। इन तीनों ही देशों में सैन्य शासन है। माली के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'पारस्परिकता के सिद्धांत के अनुसार, विदेश मामलों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्रालय राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय समुदाय को सूचित करता है कि तत्काल प्रभाव से माली गणराज्य की सरकार अमेरिकी नागरिकों पर वही शर्तें और आवश्यकताएं लागू करेगी जो माली के नागरिकों पर लगाई गई हैं।' बुर्किना फासो के विदेश मंत्री करमोको जीन-मैरी ट्राओरे द्वारा हस्ताक्षरित एक अन्य बयान में बुर्किना फासो में प्रवेश करने वाले अमेरिकी नागरिकों पर प्रतिबंध के लिए भी इसी तरह के कारण बताए गए हैं। व्हाइट हाउस ने यात्रा प्रतिबंध के कारणों में से एक के रूप में सशस्त्र समूहों द्वारा लगातार हमलों का उल्लेख किया। माली और बुर्किना फासो दोनों देश, तेजी से फैल रहे सशस्त्र समूहों को नियंत्रित करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

खालिदा जिया के लिए बांग्लादेशी संसद परिसर में पढ़ी गई नमाज-ए-जनाजा

सैकड़ों लोग हुए एकत्र

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया का पार्थिव शरीर ढाका के गुलशन स्थित आवास फिरोजा पहुंचा, जहां परिवार ने उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि दी। 80 वर्ष की उम्र में निधन के बाद देश में शोक है। तीन बार प्रधानमंत्री रहीं खालिदा जिया के सम्मान में तीन दिन का राजकीय शोक घोषित है। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर अंतिम संस्कार में शामिल होने ढाका पहुंच गए हैं। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री बेगम खालिदा जिया का पार्थिव शरीर बुधवार को ढाका के गुलशन इलाके में स्थित उनके आवास

फिरोजा पहुंचा। यहां परिवार के सदस्यों और करीबी रिश्तेदारों ने उनकी नमाज-ए-जनाजा से पहले अंतिम श्रद्धांजलि दी। इस बात की जानकारी बांग्लादेशी अंतरिम सरकार के मुखिया मुहम्मद यूनुस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पोस्ट करके दी। उन्होंने बताया कि खालिदा जिया का पार्थिव शरीर फिरोजा लाया गया, जहां उनके परिवार और रिश्तेदारों ने उन्हें अंतिम विदाई दी। बता दें कि बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री और बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की प्रमुख बेगम खालिदा जिया का मंगलवार को 80 वर्ष की उम्र में ढाका में लंबी बीमारी के बाद निधन हो गया। उनके निधन के बाद से देशभर में शोक का माहौल है। खालिदा जिया बांग्लादेश की तीन बार प्रधानमंत्री रह चुकी थीं। देश की राजनीति में उनके अतुल्य योगदान को देखते हुए बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने तीन दिनों के लिए राजकीय शोक और एक दिन की छुट्टी का एलान किया है। अंतिम नमाज पर एकत्रित हुए सैकड़ों लोग खालिदा जिया के निधन निधन की खबर के बाद आज ढाका में बड़ी संख्या में लोग उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए जमा हुए। उनकी अंतिम नमाज (फ्यूनरल प्रेयर) आज दोपहर 2 बजे मनिक मिया एवेन्यू, दक्षिण प्लाजा, बांग्लादेश की नेशनल पार्लियामेंट बिल्डिंग में पढ़ी गई। लोगों की भीड़ ने उनके प्रति सम्मान और श्रद्धा व्यक्त की।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2016/67511 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा दीक्षित प्रिंटिंग प्रेस 120/51/1 मॉडल हाउस लखनऊ से मुद्रित एवं 233जी इंद्रलोक कॉलोनी कृष्ण नगर लखनऊ से प्रकाशित।
E-Mail : mantralko1008@gmail.com | सम्पादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 7007837917 | वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।